

टी.आई.एल. एक्सप्रेस

हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष-17

अंक-50

पृष्ठ-12

मूल्य दो रुपया

बांदा, रविवार 25 अक्टूबर, 2026

RNI No.: UPHIN2008/32664

मेरी नीतियों के केंद्र में युवा, सशक्त भारत निर्माण के लिए भागीदारी अहम : मोदी



नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि युवाओं को देश की प्रगति से जोड़ना, समाज को बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट करना और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना जरूरी

है। श्री मोदी चिन्मय अमृत महोत्सव वैश्विक सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने चिन्मय मिशन से विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि

स्वामी चिन्मयानंद जी का मुख्य विचार युवाशक्ति के निर्माण के जरिए सशक्त भारत बनाना था। चिन्मय मिशन के युवा कार्यकर्ताओं ने करीब 300 दिनों में 40 हजार किलोमीटर की यात्रा कर एक लाख से अधिक

युवाओं से संपर्क किया है।

उन्होंने कहा कि 2047 में देश की आजादी के 100 साल पूरे होंगे और इसी कालखंड में चिन्मय मिशन भी अपनी शताब्दी मनायेगा। ऐसे में विकसित भारत और चिन्मय मिशन की यात्रा को साथ आगे बढ़ाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि मिशन के संत, आचार्य, साधक और कार्यकर्ता विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि सशक्त भारत निर्माण के लिए युवाओं की भागीदारी अहम है। उन्होंने कहा कि मेरी नीतियों के केंद्र में युवा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामी चिन्मयानंद जी ने भारतीय ज्ञान, संस्कृति और विरासत को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया।

झारखंड दांगी कुशवाहा महासभा के जिलाध्यक्ष बने विनय

रांची, एजेंसी। झारखंड दांगी कुशवाहा महासभा का चतरा जिला स्तरीय चुनाव गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय स्थित कौलेश्वरी मंदिर परिसर में संपन्न हुआ। चुनाव में कुल 1866



मतदाताओं में से 970 मतदाताओं ने अपने मतदाताधिकार का प्रयोग किया। अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष पद के लिए मतदान कराया गया। चुनाव को लेकर गिद्धौर स्थित मतदान केंद्र पर सुबह से शाम तक काफी गहमागहमी रही। मतदान करने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों से समाज के लोग पहुंचे। पूरे दिन मतदान केंद्र पर लोगों की भीड़ लगी रही और चुनाव को लेकर समाज के लोगों में खासा उत्साह देखा गया। मतदान को लेकर चार बूथ बनाये गये थे। निर्वाची और सहायक निर्वाची पदाधिकारियों की उपस्थिति में मतदान कराया गया। मुख्य चुनाव पर्यवेक्षक

राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त शिक्षक देवचरण दांगी और सहायक चुनाव पर्यवेक्षक प्रोफेसर श्याम सुंदर प्रसाद, मतदान केंद्र प्रभारी अशोक दांगी और मनीष कुमार मनीष ने बताया कि चुनाव की सभी प्रक्रियाएं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गईं। मतगणना के बाद अध्यक्ष पद पर विनय कुमार दांगी निर्वाचित घोषित किए गए। उन्हें 607 मत मिले जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी दिनेश दांगी को 342 मत प्राप्त हुए। वहीं कोषाध्यक्ष पद पर देवनाथरायण दांगी ने जीत दर्ज की। उन्हें 514 मत मिले जबकि विष्णु देव दांगी को 432 मत प्राप्त हुए।

चार दिवंगत पत्रकारों के आश्रितों को पांच-पांच लाख की सहायता की संस्तुति, चार को मिलेगी पेंशन



देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के बाद पत्रकारों के कल्याण एवं सम्मान से जुड़े विभिन्न प्रकरणों पर सूचना निदेशालय में बैठक आयोजित की गई। सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में पत्रकार कल्याण कोष (कॉरपस फंड) और मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के तहत प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा की गई। बैठक में समिति ने पत्रकार कल्याण कोष से चार दिवंगत पत्रकारों के आश्रितों को 5-5 लाख

की आर्थिक सहायता दिए जाने की संस्तुति की। इसके अलावा गंभीर बीमारी से ग्रसित एक वरिष्ठ पत्रकार को उपचार के लिए 5 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान करने की संस्तुति भी की गई।

वहीं, मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के अंतर्गत चार वरिष्ठ पत्रकारों को 8,000 प्रतिमाह की दर से पेंशन दिए जाने की संस्तुति की गई।

राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में ऊधमसिंह नगर का दबदबा

पौड़ी, एजेंसी। उत्तराखंड में पौड़ी के कंडोलिया स्थित इंडोर स्टेडियम में आयोजित 24वीं विद्यालयी राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन हो गया। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में ऊधमसिंह नगर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया।

पंजाब में नशे के कथित सेवन का वीडियो सामने आने के बाद कार्रवाई

जालंधर, एजेंसी। पंजाब में जालंधर पुलिस ने भार्गो कैंप थाना क्षेत्र के बुद्धा मॉल पार्क के पास नशे के कथित प्रभाव में एक व्यक्ति का वीडियो सामने आने के बाद कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया है। सहायक पुलिस आयुक्त वेस्ट आतिश भाटिया ने शनिवार को बताया कि वीडियो पुलिस के संज्ञान में आने के बाद संबंधित व्यक्ति के खिलाफ छापेमारी की गयी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान वरुण उर्फ रवि कुमार के रूप में हुई है। इस दौरान उससे एनडीपीएस अधिनियम से संबंधित पदार्थ बरामद किये गये।

भ्रष्टाचार के मामलों में 27 अधिकारियों पर कार्रवाई, 21 प्रकरणों में अभियोजन मंजूर

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग के मामलों में राज्य सरकार ने 27 अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन चलाने की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कुल 21 प्रकरणों में अभियोजन स्वीकृति प्रदान की है। इनमें भूमि रूपांतरण और खातेदारी से जुड़ी अनियमितताओं के मामले भी शामिल हैं। सरकार ने कृषि भूमि का नियमों के विरुद्ध गैर-कृषि उपयोग के लिए रूपांतरण और भू-उपयोग परिवर्तन कर सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने के मामले में एक उपखंड अधिकारी के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दी है। वहीं, खातेदारी भूमि पर कथित रूप से नियम विरुद्ध दावा डिक्री करवाने और अवैध परितोषण लेने के मामले में एक अन्य उपखंड अधिकारी के खिलाफ भी अभियोजन स्वीकृति दी गई है।



जम्मू कश्मीर पुलिस ने जेकेआईएम मॉड्यूल का किया भंडाफोड़

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने प्रतिबंधित जम्मू कश्मीर इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (जेकेआईएम) के एक गुप्त मॉड्यूल का भंडाफोड़ करके चार महिलाओं

समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। बांदीपोरा जिले की पुलिस ने दावा किया कि इस मॉड्यूल को पाकिस्तान का एक हैंडलर चला रहा था। पुलिस ने बताया

कि यह मॉड्यूल अलगाववादी विचारधारा और दुष्प्रचार कर रहा था, जिसमें महिलाओं को मुख्य रूप से निशाना बनाया जा रहा था।



नृत्य प्रतियोगिता में वेदांश एंड ग्रुप ने मारी बाजी छापे के दौरान मरीज छोड़कर भागा झोलाछाप, क्लीनिक सील



टी0आई0एल0 संवाददाता
बांदा। बबेरु के अद्भुत शिव मंदिर चौराहे पर अद्भुत श्री दुर्गात्सव समिति की ओर से आयोजित नृत्य कला प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह हुआ। वेदांश एंड ग्रुप ने प्रथम, ऐश्वर्या ने द्वितीय और रितिका श्रीवास्तव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नन्ही बालिका अनिका श्रीवास्तव की प्रस्तुति आकर्षण

का केंद्र रही। समिति के संरक्षक विजय विक्रम सिंह ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। संस्थापक शिवविलास शर्मा, प्रतियोगिता संचालक अनिल गर्ग व अरुण अग्रहरि, कोषाध्यक्ष भगत कुरील, अध्यक्ष सोनू अग्रहरि, अरविंद कसौधान, आशीष सोनी, अखिलेश विश्वकर्मा, श्यामजी सोनी, दिलीप कुमार आदि मौजूद रहे।

गड्डों में फंस भूसे से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी



टी0आई0एल0 संवाददाता
बांदा। बांदा-टांडा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने गहरे गड्डों में फंसकर दोपहर भूसे से लदी ट्रैक्टर-पलट गई। यह हादसा तिंदवारी में प्रकाश क्रेडिट के पास हुआ। देहात कोतवाली क्षेत्र के पचनेही गांव निवासी चालक गोरेलाल और अन्य वाहन बाल बाल बचे। सड़क पर भूसा बिखर

गया। गोरेलाल भूसा लेकर गांव दतरोली जा रहे थे। इस दौरान कुछ देर के लिए जाम लग गया। लोगों ने भूसा किनारे कराकर रास्ता साफ कराया। ग्रामीणों ने खराब सड़क को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर पर ओवरलोड भूसा लदा हुआ था। सड़क पर गड्डे में पहिया पड़ते ही ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई।

बुखार व पेटदर्द से युवक की मौत, 10 मरीज भर्ती

टी0आई0एल0 संवाददाता
महोबा। संक्रामक बीमारियों के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बुखार और पेटदर्द से युवक की मौत हो गई। वहीं 24 घंटे में 10 मरीजों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उधर जांच में एक में डेंगू और चार मरीजों में टाइफाइड की पुष्टि हुई। सुबह आठ बजे से जिला अस्पताल की ओपीडी खुलते ही मरीजों व तीमारदारों की भीड़ जुटी। पर्चा बनवाने से लेकर डॉक्टरों को

दिखवाने के लिए मरीजों को खासी मशकत करनी पड़ी। ओपीडी में 890 मरीजों का उपचार किया गया। चिकित्सकों की सलाह पर 146 मरीजों के ब्लड सैंपल लेकर विभिन्न जांचें की गई जिसमें एक में डेंगू और चार में टाइफाइड की पुष्टि हुई। पिछले 24 घंटों में सूरज, आशी, आशिक, अमर, समीक्षा, मुन्ना, रामसजीवन, अशोक, रामकुंवर व रघुनंदन की बुखार से हालत बिगड़ने पर भर्ती किया गया। वहीं कोतवाली चरखारी के

टी0आई0एल0 संवाददाता
उरई। महोबा ब्लॉक के नियामतपुर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने झोलाछाप के क्लीनिक पर छापा मारा। टीम को देखकर क्लीनिक संचालक मरीजों को छोड़कर भाग गया। करीब आधे घंटे बाद लौटने पर अधिकारियों ने उससे क्लीनिक संचालन से संबंधित अभिलेख मांगे, लेकिन वह कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका।

इस पर टीम ने क्लीनिक को सील कर दिया। जांच के दौरान मौके पर टूटे हुए इंजेक्शन, मेज पर खुले पड़े इंजेक्शन और सिरिज के साथ कई तरह की दवाएं भी मिलीं। छापेमारी की भनक लगने पर क्षेत्र के दो अन्य क्लीनिक संचालक भी अपने प्रतिष्ठान बंद कर भाग गए।

एसीएमओ डॉ. अरविंद भूषण के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की

बस डिपो के सामने अवैध निर्माण सील

टी0आई0एल0 संवाददाता
उरई। बस डिपो के सामने कालपी रोड किनारे हाईटेंशन तारों के नीचे हो रहे अवैध निर्माण को उरई विकास प्राधिकरण की टीम ने गुरुवार को सील कर दिया। करीब 290 वर्ग मीटर क्षेत्र में भूतल पर निर्माण कराया जा रहा था। प्राधिकरण की ओर से पहले ही निर्माणकर्ता को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन इसके बाद भी काम बंद नहीं किया गया।

जिलाधिकारी एवं उरई विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के निर्देश पर प्रवर्तन टीम ने 22 अक्टूबर को मौके पर पहुंचकर निर्माण को सील कर दिया था। इसके बाद स्थल को पुलिस की अभिरक्षा में सौंप दिया गया। निर्माण रहमत पुत्र मुन्ना की ओर से कराया जा रहा था।

कुरौराडांग गांव निवासी महेंद्र सेन (35) चार दिन से बुखार और पेटदर्द से पीड़ित था। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लाए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता रामसनेही ने बताया कि बेटा बुखार और पेटदर्द से पीड़ित था। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुरेश कुमार का कहना है कि दिन में निकल रही तेज धूप और सुबह-शाम पड़ रही हल्की ठंडक से लोग बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं।



टीम ने दोपहर करीब दो बजे नियामतपुर में कार्रवाई की। टीम जब मोहन पाल के क्लीनिक पर पहुंची तो वहां चार मरीजों का उपचार किया जा रहा था। अधिकारियों को देखते ही संचालक मरीजों को छोड़कर मौके से भाग निकला। टीम ने करीब आधे घंटे तक इंतजार के बाद केमिस्ट

की मौजूदगी में अभिलेख न दिखाने पर क्लीनिक सील कर दिया।

छापे की भनक लगते ही क्षेत्र के दो अन्य क्लीनिक संचालक प्रतिष्ठान बंद कर चले गए। एसीएमओ ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में झोलाछाप के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

रेलवे सुविधाओं के बारे में यात्रियों से लिया गया फीडबैक



टी0आई0एल0 संवाददाता
बांदा। भारतीय रेलवे की ओर से दी जा रही सुविधाओं की हकीकत जानने के लिए रेल जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसके तहत रेलवे अधिकारियों व कर्मचारियों ने बांदा स्टेशन पर यात्रियों को रोककर व ट्रेनों में पहुंचकर बातचीत की और उनसे सुविधाओं के संबंध में उत्तर मांगे। वरिष्ठ डीएसटी अशोक कुमार, स्टेशन मास्टर एसके सोहानी, एरिया मैनेजर आरके शर्मा, टीआई मनोज शिवहरे, ईएनएचएम सपन राव

व अन्य ने मिलकर यह कार्यक्रम संचालित किया। सुबह दस बजे से दोपहर एक बजे तक यात्रियों से फीडबैक लिया गया। इसमें यात्रियों से स्टेशन से लेकर यात्रा के दौरान दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में पूछा गया। टिकट वितरण प्रणाली, रिजर्वेशन, पेयजल, साफ-सफाई, सुरक्षा, खाने-पीने की सुविधा जैसे बिंदु शामिल रहे। बताया गया करीब 30 यात्रियों से फीडबैक लिया गया। इसमें यात्रियों के उत्तर संतोषजनक थे।

आवास सूची में अपात्रों के नाम, पात्रों को इंतजार

टी0आई0एल0 संवाददाता
बांदा। आवास योजना में अपात्रों को लाभ देने और पात्र गरीबों को सूची से बाहर रखने की शिकायतों की जांच समेत तीन जनसमस्याओं को लेकर जनता दल (यू) की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बुंदेलखंड

संगठन प्रभारी शालिनी सिंह पटेल ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आठों विकास खंडों की आवास सूची की जांच, प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी और हर घर जल योजना से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत की मांग की है।



INDIA'S LEADING ADVERTISING AGENCY

Call us: 0522-4010 844 | 7985907267 | 8318924761

Website: dolbyinfotainment.com | Email: dolbyinfotainment@gmail.com

जनवरी तक प्रमुख चौराहों का होगा कायाकल्प



बाईपास, विजय नगर, जरीब चौकी, अफीम कोठी, गोल चौराहा, बारा देवी, नौबस्ता, फूलबाग, कल्याणपुर मेट्रो स्टेशन, गुमटी नंबर-5, जाजमऊ, किदवईनगर, नयागंज और कोकाकोला समेत

टी0आई0एल0 संवाददाता

कानपुर। अगले साल जनवरी तक शहर के 40 प्रमुख चौराहों का कायाकल्प किया जाएगा। गाइडिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर ट्रैफिक (प्रोजेक्ट गिफ्ट) के तहत चौराहों पर लेफ्ट फ्री, जरूरत के अनुसार यू-टर्न, दिशासूचक बोर्ड और रोड मार्किंग समेत अन्य व्यवस्थाएं की जाएंगी। सभी चौराहों के साइट प्लान तैयार होने के साथ डीपीआर और टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने संबंधित विभागों को तय समयसीमा में काम पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चौराहों का विकास यातायात दबाव, सड़क सुरक्षा और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखकर किया जाए। लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई, नगर निगम और केडीए को आपसी समन्वय से काम करनके लिए को कहा गया।

रामादेवी, टाटमिल, रावतपुर, घंटाघर, डिप्टी पड़ाव, मूलगंज, सरसैया घाट, एलएलआर अस्पताल, आर्यनगर, फजलगंज, चावला मार्केट, सचान, बर्रा

बाढ़ प्रभावित गांवों में पटरी पर लौटने लगा जनजीवन

टी0आई0एल0 संवाददाता

उन्नाव। कल्याणी नदी उफाने से बाढ़ डेल रहे गांवों में पानी सिमटने के बाद रास्ते खुलने लगे हैं। परिषदीय विद्यालयों में कक्षाएं लगनी शुरू हो गई हैं। हालांकि दो गांवों की स्थिति अभी भी दिक्कतें बनी हुई हैं। वहीं, सरकारी पोर्टल न खुलने से बाढ़ पीड़ित किसानों के अभिलेख अपलोड नहीं हो पा रहे हैं। कल्याणी नदी की बाढ़ से क्षेत्र के बेहटाकच्छ, शिवलालपुरवा, कुशराजपुर, लोनारी,

अन्य चौराहे।

बैठक में स्कूली वाहनों की सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन न होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और संबंधित एआरटीओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। ब्लैक स्पॉट के दुर्घटना ऑडिट में लापरवाही पर लोक निर्माण विभाग के संबंधित अधिकारी अभियंता को भी नोटिस जारी करने के लिए कहा। उन्होंने स्कूली वाहनों की फिटनेस जांच, चालकों का मेडिकल चेकअप और क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने वाले वाहनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। छात्राओं वाली बसों में महिला कर्मचारी की मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए भी कहा।

हर परिस्थिति का धैर्य के साथ करें सामना

टी0आई0एल0 संवाददाता

अमेठी। लोधवरिया में बाबा परमहंस राम मंगलदास सेवा मंडल की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पहले दिन शुक्रवार को प्रवाचक सुमनलता उनियाल ने श्रद्धालुओं को भक्ति

मिलोई, बाजीपुरवा, इच्छापुरवा, देवरिया, कछियनपुरवा, पकरियापुरवा, तकिया, चिंगरपुरवा, लहरापुर, छोटापुरवा, ककरियापुरवा, फतेहपुर हामजा, फतेहपुर खालसा, देवखरी और चोरहा सहित 22 गांव जलमग्न हो गए थे। लगातार घट रहे जलस्तर से बेहटाकच्छ, शिवलाल पुरवा, कुशराजपुर, लोनारी, मिलोई, बाजीपुरवा, इच्छापुरवा, फतेहपुर खालसा, फतेहपुर हामजा और चोरहा आदि गांवों से पानी सिमट चुका है।

यूपी की पहली और देश की दूसरी स्लीपर वंदे भारत 31 अक्टूबर से पटरी पर

टी0आई0एल0 संवाददाता

प्रयागराज। राजधानी नई दिल्ली और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के बीच देश की दूसरी और यूपी की पहली स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन जल्द शुरू होने जा रहा है। खास बात यह है कि इस हाई-स्पीड स्लीपर ट्रेन का शुभारंभ आगामी 31 अक्टूबर को वाराणसी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान किए जाने की तैयारी है। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव संयुक्त रूप से इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर सकते हैं।

एक रिपोर्ट में वाराणसी और नई दिल्ली के बीच स्लीपर वंदे भारत ट्रेन के शुरू होने की संभावना जताई थी, जो अब सच साबित होने जा रही है। 31 अक्टूबर को इस ट्रेन का संचालन एक स्पेशल ट्रेन के रूप में किया जाएगा। वहीं, यह ट्रेन नियमित रूप से कब से पटरी पर दौड़ेगी, इसको लेकर रेलवे की ओर से



जल्द ही आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी किए जाने की उम्मीद है। पिछले महीने ही अपनी एक रिपोर्ट में वाराणसी और नई दिल्ली के बीच स्लीपर वंदे भारत ट्रेन के शुरू होने की संभावना जताई थी, जो अब सच साबित होने जा रही है। उद्घाटन के दिन स्लीपर वंदे भारत को सुबह 11 बजे वाराणसी से चलाया जा सकता है। प्रयागराज, कानपुर सेंट्रल एवं अलीगढ़ जंक्शन पर इसके स्वागत के कार्यक्रम की भी

तैयारी है। हालांकि रेलवे अफसर अभी इस ट्रेन के संचालन से जुड़ी अधिकारिक जानकारी देने से बच रहे हैं।

स्लीपर वंदे भारत नियमित होने के बाद सप्ताह में छह दिन संचालित होगी। शनिवार को इसका संचालन नहीं होगा। वाराणसी से नई दिल्ली के लिए ट्रेन संख्या 27421 रात 8.50 बजे वाराणसी से रवाना होगी और रात 10.35 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। यहां पांच मिनट के ठहराव के बाद ट्रेन रात 10.40 बजे बढ़ेगी। इसके बाद रात 12.40-12.45 बजे कानपुर सेंट्रल होते हुए यह ट्रेन अगले दिन सुबह 5.55 बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंचेगी। वहीं वापसी की दिशा में, नई दिल्ली से वाराणसी जाने वाली ट्रेन संख्या 27422 रात 9.40 बजे नई दिल्ली से छूटेगी। यह ट्रेन अगले दिन सुबह 4.45-4.50 बजे प्रयागराज और सुबह 6.45 बजे वाराणसी पहुंचेगी। इसके संचालन की तिथि जल्द ही आने की उम्मीद है।

क्रोमियम अपशिष्ट से भूजल प्रदूषण की जांच तेज, हैंडपंपों का लिया जायजा

टी0आई0एल0 संवाददाता

फतेहपुर। मलवा विकासखंड के गोधरौली गांव में क्रोमियम युक्त रासायनिक अपशिष्ट से भूजल प्रभावित होने के मामले में जांच तेज हो गई है। स्टेट एनवायरमेंट चेन्नई के वैज्ञानिक सलाहकार और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने क्रोमियम डंपिंग यार्ड के आसपास जांच की।

टीम ने हैंडपंपों का निरीक्षण कर प्रदूषण के प्रभाव का दायरा जानने का प्रयास किया। जांच में जुटी टीम आईआईटी कानपुर को भी सहयोग करेगी। गोधरौली गांव में क्रोमियम युक्त अपशिष्ट के कारण पानी का रंग हरा और पीला होने की शिकायत है।

ग्रामीणों का दावा है कि यह पानी पीने योग्य नहीं है। छिवली, आशापुर, अभयपुर, राशुपुर और बड़ाहार समेत आसपास के गांव भी इस समस्या से प्रभावित हैं। एनजीटी के निर्देश पर विभिन्न विभागों की टीमों मामले की जांच कर रही हैं।

गोधरौली निवासी और एनजीटी

में मामले की पक्षकार दिव्या द्विवेदी ने बताया कि अदालत में टैंकरों से पेयजल आपूर्ति जारी रहने की अवधि को लेकर सवाल उठाया गया था। इसके बाद जांच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने समस्या के स्थायी समाधान के लिए एनजीटी में 22 सुझाव भी दिए हैं। इनमें सभी फैक्ट्रियों की जांच और ग्रामीणों के स्वास्थ्य की नियमित जांच कराने की मांग प्रमुख है।

उनका आरोप है कि कुछ कंपनियां बोरवेल के जरिये रासायनिक अपशिष्ट को दोबारा जमीन के भीतर डाल देती हैं। इसकी जांच से भूजल प्रदूषण के स्रोत का पता लगाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने एनजीटी को सुझाव दिया कि औद्योगिक क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का अस्थायी कैंप स्थापित किया जाए, ताकि नियमों की अनदेखी करने वाली औद्योगिक इकाइयों पर रोक लग सके और प्रदूषण की नियमित निगरानी हो सके।

सीबीएसई नेशनल्स में अर्पित की टीम ने दर्ज की शानदार जीत

टी0आई0एल0 संवाददाता

हरदोई। सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल के प्रतिभाशाली खिलाड़ी के बेहतर प्रदर्शन से टीम ने सीबीएसई नेशनल्स अंडर-19 टूर्नामेंट में शानदार जीत दर्ज की। उनकी टीम ने अपनी प्रतिद्वंद्वी को हराकर विद्यालय और जनपद का नाम रोशन किया है। उनके बेहतर प्रदर्शन से जिले में भी उनके साथी और परिजनों में खुशी की

लहर है।

सीबीएसई नेशनल्स अंडर-19 की मदुरई में आयोजित प्रतियोगिता में जिले के जयपुरिया स्कूल के छात्र अर्पित सिंह का चयन ईस्टर्न मावरिक्स टीम में हुआ है। मुकाबले में ईस्टर्न मावरिक्स के खिलाड़ियों ने प्रभावशाली खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने साउथ जोन टाइटंस को शिकस्त देकर प्रतियोगिता में अपनी मजबूत शुरुआत की।

Call:0522-6537101, 9839919728

e-mail:info@tvindialive.com

tvindialive.til@gmail.com

web:www.tvindialive.in

www.tvindialive.com

www.tilexpress.in



TILE x p r e s s

WEEKLY HINDI NEWSPAPER

Contact for: News Bureau,
News Reporter & Marketing Agency

Off: Sector C-1, C-25, LDA Colony, Kanpur Road, Lucknow. 226012 (U.P.)

सम्पादकीय

राष्ट्र स्तर पर प्रदेश की आवाज

राजनीति में अनुराग सिंह ठाकुर की पहचान अब केवल पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के पुत्र के रूप में सीमित नहीं है, बल्कि वह अब हिमाचल के युवा चेहरे के साथ राष्ट्रीय फलक पर प्रदेश की आवाज और दुनिया भर में भारतवर्ष की पहचान बन चुके हैं। 2011 में सर्वश्रेष्ठ सांसद, 2014 में यंग ग्लोबल लीडर, 2019 में चौपियंस ऑफ चेंज अवार्ड, कोयला, खान और इस्पात संबंधी संसदीय स्थायी समिति के नेतृत्व को दो बार संसद रत्न अवार्ड, भारतीय प्रादेशिक सेना में कैप्टन, भारत यूरोपीय संघ संसदीय मैत्री समूह का अध्यक्ष और लगातार पांचवीं बार का सांसद बनना अनुराग सिंह ठाकुर की पहचान और मेहनत को साफ दिखाता है। वर्ष 2008 में हमीरपुर लोकसभा सीट के उपचुनाव से शुरू हुआ उनका संसदीय सफर 2024 तक लगातार पांच जीत दर्ज कर लोकसभा में हिमाचल प्रदेश की आवाज बुलंद किए हुए है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष, भारतीय ओलंपिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष और केंद्र सरकार में सूचना एवं प्रसारण तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री जैसी जिम्मेदारियां उनके सार्वजनिक जीवन के अलग-अलग पड़ाव रहे हैं। इन भूमिकाओं ने उन्हें प्रदेश की राजनीति से आगे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है, लेकिन किसी नेता की राजनीतिक यात्रा का वास्तविक आकलन केवल पदों और चुनावी जीत से नहीं, बल्कि उसके काम, जनसंपर्क, संगठनात्मक स्वीकार्यता और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की कसौटी पर होता है।

ऐसे में अनुराग ठाकुर का सफर हिमाचल में राजनीतिक विरासत, व्यक्तिगत पहचान और भविष्य में संभावित नेतृत्व की भूमिका को समझने का एक महत्वपूर्ण संदर्भ प्रस्तुत करता है। 24 अक्टूबर 1974 को हमीरपुर में जन्मे अनुराग ठाकुर पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल और शीला धूमल के पुत्र हैं। उन्होंने दोआबा कॉलेज, जालंधर से स्नातक की शिक्षा प्राप्त की। राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले परिवार में जन्म लेने के बावजूद उनका शुरुआती रुझान क्रिकेट की ओर रहा।

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने राज्य में क्रिकेट के बुनियादी ढांचे के विकास पर काम किया। धर्मशाला का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम हिमाचल की खेल पहचान का प्रमुख प्रतीक बनकर उभरा। आगे चलकर वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव और अध्यक्ष भी बने। 2016 में बीसीसीआई अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालना उनके सार्वजनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। इस तरह राजनीति में पूरी तरह सक्रिय होने से पहले ही उन्होंने खेल प्रशासन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। अनुराग ठाकुर की संसदीय राजनीति का औपचारिक आरंभ वर्ष 2008 में हुआ। उस समय प्रेम कुमार धूमल के मुख्यमंत्री बनने के बाद हमीरपुर लोकसभा सीट खाली हुई और भाजपा ने उपचुनाव में अनुराग ठाकुर को उम्मीदवार बनाया। उन्होंने चुनाव जीतकर 14वीं लोकसभा में प्रवेश किया। इसके बाद 2009, 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में भी उन्होंने जीत दर्ज की। लगातार पांच बार एक ही संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित होना उनके राजनीतिक सफर का महत्वपूर्ण तथ्य है। वर्ष 2024 के चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के सतपाल रायजादा को 1,82,357 मतों के अंतर से हराया।

यह परिणाम हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में उनके चुनावी जनाधार को दर्शाता है। वर्ष 2010 में वह भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने और लगातार तीन कार्यकाल तक इस जिम्मेदारी पर रहे। उनके कार्यकाल में राष्ट्रीय एकता यात्रा, शहीदों को श्रद्धांजलि देने से जुड़े अभियान और डिजिटल साक्षरता जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व के अलग-अलग दौर में युवा मोर्चा का नेतृत्व करने से उन्हें राष्ट्रीय संगठन में काम करने का अनुभव मिला। संसदीय कार्यकाल के दौरान अनुराग ठाकुर को कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलीं। 16वीं लोकसभा में वह भाजपा के मुख्य सचेतक बने और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति की अध्यक्षता की। वर्ष 2019 में उन्हें संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, 29 जुलाई 2016 को उन्हें प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन मिला। वर्ष 2021 में उन्हें कैप्टन के पद पर पदोन्नति मिली। इस तरह उनका सार्वजनिक जीवन राजनीति और संगठन के साथ खेल प्रशासन तथा प्रादेशिक सेना से जुड़े अनुभवों तक फैला हुआ है। केंद्र सरकार में अनुराग ठाकुर की भूमिका वर्ष 2019 में और व्यापक हुई, जब उन्हें वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों का राज्य मंत्री बनाया गया। जुलाई 2021 में मंत्रिमंडल फेरबदल के दौरान उन्हें सूचना एवं प्रसारण तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालयों की जिम्मेदारी सौंपी गई। खेल मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में खेलो इंडिया, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारियों जैसे विषय प्रमुख रहे।

सुप्रीम कोर्ट का सम्मान सुनिश्चित हो

अशोक त्रिपाठी

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के बाहर मथुरा रोड पर पैदल सड़क पार करने के लिए सुरक्षित रास्ता नहीं होने पर काफी नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में नाराजगी जताते हुए चेतावनी भी दे दी। कोर्ट ने केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर 25 नवंबर तक इस मामले में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो जज खुद दिल्ली हाई कोर्ट के बाहर धरने पर बैठेंगे। इसके साथ ही मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाए जाने की मांग करते हुए विपक्षी दलों के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करने का प्रयास किया था। मुख्य न्यायाधीश ने विपक्षी दलों के नेताओं से मिलने से इनकार किया तो शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने विवादास्पद टिप्पणी की थी। इन सब बातों से देश की सबसे बड़ी अदालत क्षुब्ध है। उसके सम्मान की रक्षा होनी चाहिए।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच इस पूरे मामले की सुनवाई कर रही थी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट आने वाले वकीलों, लोगों और अन्य लोगों को सड़क पार करने में परेशानी होती है। ऐसे में यहां पैदल चलने वालों की सुरक्षा के लिए जरूरी इंतजाम किए जाने चाहिए। जानकारी के अनुसार, इस जगह से कोर्ट आने वाले लोगों और आम जनता की काफी आवाजाही रहती है।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल विक्रमजीत बनर्जी ने कोर्ट को बताया कि इस मामले को देखने के लिए एक हाईलेवल कमेटी बनाई गई है। कमेटी सड़क पार करने की जगह पर जरूरी इंतजामों पर विचार कर रही है। केंद्र सरकार की इस दलील पर जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि कमेटी बनाने से ही काम पूरा नहीं होगा।

इसके लिए जमीन पर ठोस कदम उठाने होंगे। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो कोर्ट दिल्ली के

मुख्य सचिव को पेश होने का निर्देश देने पर विचार करेगा। आपको बता दें कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को भी फटकार लगाई थी और परिसर के अंदर नारेबाजी और हंगामे को लेकर नोटिस जारी किया था।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत ने गत दिनों कहा था कि सुप्रीम कोर्ट को राजनीति का अखाड़ा न बनाएं। इसके बावजूद विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला। शिवसेना सांसद संजय राउत ने विवादग्रस्त बयान भी दिया। सीजेआई और दूसरे जजों के खिलाफ टिप्पणी करने पर उद्धव ठाकरे के सांसद संजय राउत की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। सीजेआई के कड़े रुख के बाद 16 अक्टूबर को संजय राउत ने कहा कि वह अपने बयान के लिए माफी मांगते हैं। ६ यान रहे कि सीईसी ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर जब सीजेआई सूर्यकांत ने विपक्षी दलों मिलने से मना किया था तब उन्होंने दावा किया था कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के 80 जजों को लंदन में राजनीतिक नेताओं के साथ बैडमिंटन खेलते देखा गया था। राउत ने कहा था, शायद उनसे मिल सकते हैं, उनके साथ खेल सकते हैं, उनके या मुख्यमंत्रियों के साथ लंच या डिनर कर सकते हैं। आप किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल होने के लिए अचानक इस्तीफा भी दे सकते हैं। तब आपको सिद्धांतों और कानून की कोई परवाह नहीं होती, लेकिन जब हम लोकतंत्र को बचाने के लिए आपसे मिलना चाहते हैं। तो आप कहते हैं कि आप राजनीतिक नेताओं से नहीं मिलेंगे। श्याचिका में भारत निर्वाचन आयोग के साथ सीईसी ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह, संधू और चुनाव आयुक्त विवेक जोशी को प्रतिवादी बनाया गया है। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच कर रही है। कोर्ट ने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले की अगली



विस्तृत सुनवाई दशहरा अवकाश के बाद 27 अक्टूबर 2026 को तय की गई है।

12 अक्टूबर 2026 को राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे विपक्षी नेताओं (इंडिया ब्लॉक) ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के खिलाफ दिल्ली में बाराखंबा रोड से सुप्रीम कोर्ट तक एक बड़ा मार्च निकाला था। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने राजनीतिक विवादों में अदालत को घसीटने को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दी और स्पष्ट किया कि मामले को न्यायिक प्रक्रिया के तहत याचिका दाखिल कर आगे बढ़ाया जा सकता है। इस मार्च को लेकर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के कुछ वकीलों ने भी भीड़ के जरिए दबाव बनाने की कोशिश पर सवाल उठाए थे।

एसआईआर और वोट चोरी के साथ चुनाव आयोग के फैसलों में मनमानी को लेकर सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया गठबंधन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। गुरुवार को इस पर पहली सुनवाई भी हुई थी। इस दौरान सीजेआई की बेंच ने संजय राउत के बयान पर कड़ी टिप्पणी की थी। कोर्ट की अवमानना का नोटिस जारी होने के बाद संजय राउत के तेवर ढीले पड़ गए हैं। अब उन्होंने कहा है कि वह माफी मांगते हैं। संजय राउत ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्था है। जब न्याय के सभी दरवाजे बंद हो जाते हैं, तब हम सुप्रीम कोर्ट के सामने खड़े होकर न्याय की गुहार लगाते हैं।



तकनीक की नई संभावनाओं को जनहित, न्याय और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य से जोड़ना सबसे बड़ी जरूरत : योगी



टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तकनीक की नई संभावनाओं को जनहित, न्याय और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य से जोड़ना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसके लिए साइबर सुरक्षा और फॉरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान व प्रशिक्षित मानव संसाधन को बढ़ावा देना जरूरी है।

सीएम ने सोशल मीडिया

अकाउंट एक्स पर लिखा कि आज उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस, लखनऊ में आयोजित 'टेकसंगम 2026' में प्रतिभाग करूंगा। एआई, साइबर फॉरेंसिक, क्वांटम तकनीक और डेटा प्रोटेक्शन जैसे उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित यह आयोजन तकनीकी नवाचार को नागरिक सुरक्षा, प्रभावी न्याय व्यवस्था व डिजिटल ट्रस्ट से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है।

मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश की बदलती कार्य-संस्कृति का प्रतीक बताया। कहा कि वर्ष 2017 से पहले देश की सबसे बड़ी आबादी वाले प्रदेश में केवल 2 साइबर थाने और 4 फॉरेंसिक लैब थीं। विज्ञान और तकनीक की संभावनाओं का पर्याप्त उपयोग न होने और वैज्ञानिक

साक्ष्यों के अभाव में अपराधियों को कानून से बच निकलने का अवसर मिलता था। कन्विकशन रेट 30 प्रतिशत से भी कम था। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने इस स्थिति को बदलने की दिशा में कार्य किया। आज सभी 75 जनपदों में साइबर थाने हैं और प्रत्येक मंडल में फॉरेंसिक लैब स्थापित करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। तकनीकी संसाधनों एवं वैज्ञानिक जांच की क्षमता के विस्तार से साइबर अपराध जैसी नई चुनौतियों से निपटने और अपराधियों को सजा दिलाने की प्रक्रिया को मजबूती मिली है। कन्विकशन रेट में वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फॉरेंसिक विज्ञान एवं साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों में प्रदेश के युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान और रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

अपराधी कितना भी डीपफेक का आवरण ओढ़े, उसे खोज निकालेंगे : सीएम योगी

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डीपफेक जैसी तकनीकों के दौर में अपराधी कितना भी तकनीक का आवरण ओढ़ ले, उत्तर प्रदेश की वैज्ञानिक और विधिक क्षमता उसे खोज निकालेगी। एआई हमारे लिए मददगार हो सकता है, लेकिन उसे निर्णायक नहीं बनना चाहिए। तकनीक का संचालन मानव विवेक से होना चाहिए, न कि मनुष्य तकनीक के विवेक पर निर्भर हो जाए। पूरी तरह एआई पर निर्भरता भविष्य में संकट बन सकती है। वैज्ञानिक साक्ष्यों, फॉरेंसिक जांच और आधुनिक तकनीक के समन्वय से अपराध अनुसंधान को प्रभावी बनाने के साथ न्याय मिलने में होने वाली देरी को भी कम किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएस आईएफएस) में आयोजित तीन



दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन टेक संगम 2026 को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने क्वांटम फॉरेंसिक्स और विधिक अनुपालन के क्षेत्र में कार्य करने वाले लेक्सो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने कंसेंट मैनेजमेंट पोर्टल लॉन्च किया, अभेद्य परियोजना की आधारशिला रखी और एआई इन कस्ट्रक्शन पुस्तक का विमोचन भी किया। सम्मेलन में साइबर सुरक्षा, डिजिटल साक्ष्य, क्वांटम तकनीक, फॉरेंसिक विज्ञान और एआई के न्यायिक व प्रशासनिक उपयोग पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए।

Lucknow's the most popular social networking news, views & entertainment blog

www.facebook.com/tillucknowexpress

By:TVINDIALIVE.COM



इंडिया गठबंधन से डरकर नकली पोस्टर लगवा रही भाजपा : अखिलेश



टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि गठबंधन से भाजपा के पेट में दर्द हो रहा है। भाजपा इतना डर गई है कि नकली पोस्टर लगा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के म्युनिसिपल उच्चाधिकारियों को निलंबित कर देना चाहिए, क्योंकि कुछ लोग बिना पैसा जमा किए सरेआम पोस्टर लगवा रहे हैं। उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि या तो इसका आधार भ्रष्टाचार है या शासन का दबाव।

अखिलेश ने कहा कि इन अज्ञात पोस्टरों को जब चोरी-छिपे लगाया जाता है तो स्थानीय राजस्व की हानि भी होती है। अगर शुल्क का आधिकारिक रूप से भुगतान किया गया तो भुगतान की रसीद भी काटनी पड़ेगी। ऐसे में साजिशकर्ता का नाम बाहर आ जाएगा और वो पकड़ा जाएगा।

राजस्व की इस हानि का खामियाजा संबंधित अधिकारियों से भरवाना चाहिए और उनके खिलाफ जांच बैठाकर निलंबित भी कर देना चाहिए। सपा अध्यक्ष ने कहा कि ऐसी जितनी भी घटनाएं हो रही हैं, हम उनका तारीखवार रिकॉर्ड रख रहे हैं। ये रिकॉर्ड भी रख रहे हैं कि इस समय कौन सा अधिकारी इसके लिए जिम्मेदार था। पीडीए सरकार आने पर इन सब भ्रष्ट अधिकारियों का पक्का हिसाब-किताब किया जाएगा।

योगी सरकार ने बढ़ाया राजस्व सुधारों का दायरा

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राजस्व विभाग की भूमिका अब केवल जमीन के रिकॉर्ड के रख-रखाव तक सीमित नहीं रह गई है। योगी सरकार में ग्रामीण परिवारों को आवासीय संपत्ति के दस्तावेज उपलब्ध कराने, किसानों की डिजिटल पहचान तैयार करने और सहायता राशि के भुगतान की प्रक्रिया को सरल बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। आंकड़ों के मुताबिक स्वामित्व योजना के तहत प्रदेश में 1.05 करोड़ से अधिक घरानियों का निर्माण और वितरण किया जा चुका है। फार्म रजिस्ट्री में भी 1.44 करोड़ से अधिक पंजीकरण पूरे किए जा चुके हैं। वर्ष 2017 से पहले घरानी निर्माण और फार्म रजिस्ट्री जैसी व्यवस्थाओं में उपलब्धि शून्य थी।

लखनऊ में बुलडोजर एक्शन की तैयारी, गिराए जाएंगे जैक लगाकर संभाल रखे एसए अपार्टमेंट

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। बारूदखाना स्थित एसए अपार्टमेंट को गिराने का आदेश जारी हो गया है। लखनऊ विकास प्राधिकरण के विहित प्राधिकारी ने ध्वस्तीकरण का आदेश दिया है। बिल्डर को अपार्टमेंट स्वयं गिराने के लिए 14 दिन का समय दिया गया है। पिछले महीने अपार्टमेंट के दो पिलर क्षतिग्रस्त होने के बाद भवन की सुरक्षा को

तालाब में डूबने से नौ वर्षीय इकलौते बेटे की मौत

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज के टंट का पुरवा गांव निवासी नौ वर्षीय छात्र अंकुश यादव की तालाब में डूबने से मौत हो गई। वह गांव के बाहर मंगल विहार के पास स्थित तालाब में नहाने गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे सीएचसी गोसाईगंज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी गोसाईगंज ऋषभ यादव के मुताबिक टंट का पुरवा निवासी सतीश यादव का इकलौता बेटा अंकुश रविवार सुबह करीब 10 बजे खेलने के लिए घर से निकला था। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे तत्काल सीएचसी गोसाईगंज ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अंकुश तीन बहनों में इकलौता भाई था।



लेकर गंभीर स्थिति पैदा हो गई थी। इसके बाद एलडीए ने जैक लगाकर भवन को संभालने की व्यवस्था की थी।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि एसए अपार्टमेंट को ध्वस्त करने का आदेश हो गया है। बिल्डर को स्वयं निर्माण गिराने के लिए 14 दिन का समय दिया गया है। निर्धारित समय में आदेश का पालन नहीं होने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा सकती है। एसए अपार्टमेंट के दो पिलर पिछले महीने क्षतिग्रस्त हो गए थे। इससे भवन की मजबूती और उसमें रहने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी। स्थिति को देखते हुए एलडीए ने जैक लगाकर भवन को संभालने की व्यवस्था की थी, ताकि तत्काल स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। इसके बाद अपार्टमेंट की तकनीकी स्थिति की जांच कराई गई।

ध्वस्तीकरण आदेश जारी होने के बाद अब एलडीए की नजर इसके अनुपालन पर रहेगी। बिल्डर निर्धारित अवधि में भवन गिराने की कार्रवाई करता है या नहीं, यह देखना होगा। तय समय में आदेश का पालन नहीं होने पर प्राधिकरण नियमानुसार कार्रवाई कर सकता है। दो पिलर क्षतिग्रस्त होने और निजी एजेंसी की जांच में भवन को खतरनाक बताए जाने के बाद यह मामला भवन सुरक्षा के लिहाज से भी अहम हो गया है। एलडीए ने शुक्रवार को एसए अपार्टमेंट को गिराने का आदेश जारी कर दिया।

अपार्टमेंट की जांच करने वाली निजी एजेंसी ने भवन को खतरनाक बताया है। जांच में भवन की स्थिति को लेकर सामने आई गंभीरता के बाद ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया गया है। अब बिल्डर को 14 दिन के भीतर अपने स्तर से अपार्टमेंट गिराना होगा।

मनोज कुमार अग्रवाल
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों और वारदातों पर हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते बलात्कार और यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस, गृह मंत्रालय और एमसीडी को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह के भीतर विस्तृत सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट भी मांगी। भारतीय संस्कृति इससे शर्मिदा है।

दक्षिण दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में बंदूक की नोक पर पुलिसकर्मी बनकर 17 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन तेज हो गए। इससे पहले भी दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके में एक किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद उसकी निर्मम हत्या कर दी गई।

इसके अलावा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के ग्रेटर नोएडा से दिल्ली आ रही एक चलती स्लीपर बस के भीतर एक और नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न किया गया। एक हालिया अध्ययन के अनुसार, दिल्ली में सड़क, मेट्रो और बसों में महिलाओं से छेड़खानी और यौन उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे महिलाएं डर के मारे अपने सफर का समय और मार्ग बदलने को मजबूर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केवल वारदात

महिलाओं की जान व आबरू असुरक्षित



होने के बाद आरोपियों को गिरफ्तार करना पर्याप्त नहीं है। पुलिस का मुख्य काम अपराध होने से रोकना होना चाहिए। कोर्ट ने रात के समय महिलाओं की सुरक्षा, प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त रोशनी, सीसीटीवी निगरानी और पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। एनसीआरबी के हालिया डेटा के मुताबिक, देश के सभी महानगरों की तुलना में दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध और बलात्कार के मामले सबसे अधिक दर्ज किए जा रहे हैं, जिसके कारण यह लगातार असुरक्षित शहरों की सूची में ऊपर बना हुआ है। हाल ही में दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर विभिन्न महिला संगठनों और कार्यकर्ताओं ने महिलाओं और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित यौन हिंसा एवं उत्पीड़न के मामलों में जवाबदेही और सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन भी किए थे। देश की राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के आस-पास के क्षेत्र जिसे एन.सी. आर. भी कहा जाता है, में

महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा उभर कर बार-बार सामने आ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस क्षेत्र में विगत दिवस नाबालिग लड़कियों और महिलाओं के साथ हुए अपराधों से संबंधित समाचारों का स्वयं ही गंभीर संज्ञान लेते हुए कड़ी टिप्पणियां की थीं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी के आस-पास घटित होती ऐसी घटनाएं कानून लागू करने वाली एजेंसियों की विफलता को दर्शाती हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने विशेष रूप से इस संबंध में दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में 17 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म, दिल्ली के स्वरूप नगर क्षेत्र में कथित सामूहिक दुष्कर्म के उपरांत नाबालिग लड़की की हत्या और चलती स्लीपर बस में एक और नाबालिग लड़की के कथित शारीरिक शोषण आदि से संबंधित समाचारों का संज्ञान लिया था।

इस मामले में जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद की पीठ ने सुनवाई करते हुए टिप्पणी की थी कि घटित उपरोक्त घटनाओं की तुलना 2012 में दिल्ली में घटित हुए निर्भया कांड से की जा सकती है। उन्होंने कहा कि बड़ा सवाल यह है कि निर्भया कांड के बाद अब तक भी कानून व्यवस्था में कोई सुधार हुआ है या नहीं? उन्होंने यह भी कहा कि इन घटनाओं से एक बार फिर कानून लागू करने वाली

एजेंसियों और सिविल प्रशासन की विफलता सामने आई है और सिस्टम लोगों को मूलभूत सुरक्षा मुहैया करने में विफल होता दिखाई दे रहा है। माननीय न्यायाधीशों ने यह भी कहा था कि दिल्ली के पार्कों, सड़कों, बसों, मेट्रो स्टेशनों, भूमिगत रास्तों और पैदल चलने वाले स्थानों विशेष रूप से जिन क्षेत्रों में रात को रोशनी कम होती है, को जोखिम वाले क्षेत्र बनने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। निःसंदेह सर्वोच्च न्यायालय के उपरोक्त न्यायाधीशों द्वारा दिल्ली और उसके आस-पास के क्षेत्र में महिलाओं की असुरक्षा संबंधी की गई टिप्पणियां बेहद गंभीर थीं और इनका न केवल दिल्ली के प्रशासन को, अपितु केन्द्र सरकार और देश के अन्य विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और प्रशासन को भी गंभीरता से संज्ञान लेना चाहिए। इस संबंध में दीर्घ विचार-विमर्श होना चाहिए कि सरकारों के प्रयत्नों और विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा संबंधी कड़े कानून बनाने के बावजूद देश के अधिकतर भागों में आज भी महिलाएं सुरक्षित क्यों नहीं हैं? असामाजिक तत्वों के मन में सरकार और संबंधित प्रशासन का कोई डर क्यों नहीं है?

केन्द्र से लेकर राज्य स्तर तक देश में महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित बनाने के लिए गंभीर चर्चा करके कोई उचित

कार्य योजना बनाने की जरूरत फिर महसूस हो रही है। सरकारों को इस संबंध में यह भी देखना चाहिए, कि अमन-कानून लागू करने वाली एजेंसियां इस संबंध में क्यों विफल रहती हैं? उनकी कार्यशैली में और किस प्रकार के सुधार किए जा सकते हैं? इसके साथ-साथ सरकारों को यह भी देखने की जरूरत है कि समाज में ऐसे तत्व क्यों बढ़-फूल रहे हैं, जोकि महिलाओं का मान-सम्मान करने के स्थान पर उनका शारीरिक शोषण करने को तैयार रहते हैं। उनकी ऐसी मानसिकता कहां से बनती है? क्या इसका कारण सोशल मीडिया पर मौजूद अश्लील सामग्री तो नहीं है? क्या इसका कारण मनोरंजन चैनलों पर लगातार चलते अश्लील किस्म के धारावाहिक तो नहीं हैं या क्या इसका कारण यह तो नहीं है कि हमारा समाज पारिवारिक नैतिक मूल्यों से वंचित होता जा रहा है। परिवारों के भीतर अभिभावकों द्वारा जो निरंतर अपने बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाती थी, उसमें कोई कमी तो नहीं आ गई। ये सभी ज्वलंत सवाल हैं, जिनके संबंध में गंभीरता से सोचने की जरूरत है, क्योंकि यह मामला सिर्फ अमन-कानून का ही नहीं, अपितु हमारे समाज के भीतर नैतिक मूल्यों के पक्ष से आ रही बड़ी गिरावट का भी है।

यह भी देखना चाहिए कि इस संबंध में हमारी शिक्षण संस्थाएं-स्कूलों से लेकर उच्च शैक्षणिक संस्थानों तक क्या और कैसी भूमिका निभा सकते हैं?

—वैभव गुप्ता

भोजन मूलभूत आवश्यकताओं के अलावा, प्रत्येक इंसान का बुनियादी अधिकार भी है। भोजन अनमोल है जिसका सम्मान करना सभी का कर्तव्य है। आज 'विश्व खाद्य दिवस' है जो सालाना 16 अक्टूबर को पूरे संसार में इस मकसद से मनाया जाता है कि अन्न की बर्बादी को रोकने के लिए जनमानस को जागरूक किया जाए। नवंबर 1979 को संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के 20वें सम्मेलन में खाद्य दिवस को मनाने का निर्णय हुआ जिसका पहली बार आयोजन वर्ष 1981 में हुआ। दुनिया में भूख से बढ़ते कुपोषण पर नियंत्रण को ध्यान में रखकर संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक संघों को चेताया था। ये दिवस इस बात पर ज्यादा जोर देता है कि हमें थाली में उतना ही भोजन परोसना चाहिए, जितने की पेट को जरूरत हो। ज्यादा भोजन लेंगे तो निश्चित रूप से बर्बाद ही होगा। फूड इंडेक्स पर यूएनईपी-2024 की रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान में सालाना करीब 7.8 करोड़ टन भोजन बर्बाद होता है, जिसका औसत लगभग 21.4 करोड़ किलोग्राम प्रतिदिन आंका गया। विश्व खाद्य दिवस-2025 की थीम थी 'बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य साथ-साथ' जो एग्रीफूड सिस्टम को बदलने में वैश्विक सहयोग की शक्ति को उजागर करती है। देसीउत्पाद खोजें

भोजन की बर्बादी से निपटने की वैश्विक चुनौती?



भोजन बर्बादी की समस्या संसार में बड़ी आफत के रूप में उभरी है। ऐसे तमाम मुल्क हैं जहां अन्न का उत्पादन शून्य है और दूसरे देशों के उत्पाद-भोजन पर ही निर्भर हैं, बावजूद इसके बेहताशा भोजन बर्बाद करते हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण की 'फूडवेस्टाइज इंडेक्स रिपोर्ट-2026' सामने आई जिसमें दुनिया भर में 1.05 अरब टन भोजन बर्बाद होता बताया गया जिससे नई किस्म की न सिर्फ बीमारियां-वायरस फैले, बल्कि पर्यावरण भी दूषित हुआ। भारत में पिछले 10 वर्षों में अन्न उत्पादन 90 मिलियन मीट्रिक टन पिछले एक दशक से ज्यादा हुआ है। धरती पर मात्र भारत ही एक ऐसा मुल्क है जो करीब 76 देशों को विभिन्न किस्म का अन्न सप्लाई करता है जिसमें चीनी, दालें, चावल, मखाने,

सरसों और सब्जियां प्रमुख रूप से शामिल हैं।

तमाम ऐसे इस्लामिक देश हैं जो भारत में उत्पादित बासमती चावल ही पसंद करते हैं। ईरान-ईराक में चावल की सप्लाई सिर्फ भारत से ही होती है। अन्न निर्यात के लिहाज से भारत विश्व का बड़ा बाजार बनकर इस समय उभरा है। संसार में भारत दूध और बाजरे के निर्माण में नंबर वन पायदान है। वर्ष 2014 के बाद से हिंदुस्तान शहद, अंडे, मछलियां और फल-सब्जियों के उत्पादन में दूसरे स्थान पर काबिज हुआ है। जबकि, कभी चौथे स्थान पर हुआ करता था।

भूखे सोना विकसित संसार के माथे पर कलंक जैसा है। भूख के आंकड़े आज भी डरावने हैं। संसार का एक बड़ा इंसानी हिस्सा अभी भी रात में भूखे पेट

सोता है। जबकि, रोजाना जितनी भोजन की बर्बादी होती है, थालियों में खाने को व्यर्थ करके लोग फेंक देते हैं, अगर ऐसा ना किया जाए, तो भूखे सोने वालों के आंकड़ों में कमी लाई जा सकती है।

भोजन की बर्बादी से न केवल अन्न और धन का नुकसान होता है, बल्कि पानी, बिजली और अन्नदाताओं की सालाना मेहनत भी बेकार होती है। इससे पर्यावरण पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

भूख से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर सभी देशों को चेताना होगा। भूख और अन्न बर्बादी के नियंत्रण पर भारत जैसी पहल अन्य देशों को भी करनी होगी। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम पोषण योजना, अंत्योदय अन्न योजना, राइस फोर्टिफिकेशन और प्राइस स्टेबिलाइजेशन फंड जैसी प्रमुख पहले भारत की खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ कर रही हैं। भारत में 80 करोड़ लोग मुफ्त अन्न वितरण योजना के लाभार्थी हैं, इसलिए सरकार का प्रयास है कि कोई भी व्यक्ति भूखे पेट नहीं सोए। लेकिन भोजन की बर्बादी भारत में भी कम नहीं है। आंकड़े इस समस्या

के गवाह हैं।

विश्व खाद्य दिवस संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन की स्थापना का प्रतीक है जिसे पहली बार औपचारिक रूप से 1981 में 'भोजन सर्वप्रथम' विषय वस्तु के साथ मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1984 में इस दिवस को मान्यता दी जिसके बाद एक साथ 150 देशों का समूह बना, जो सामूहिक प्रयासों से भूख और अन्न बर्बादी से लड़ाई लड़ रहे हैं। हालांकि, सफलता उतनी नहीं मिली, जितनी उम्मीदें लगाई गई थीं। बहरहाल, आज का दिन खाद्य सुरक्षा, पोषण टिकाऊ, कृषि पद्धतियों के विषय में ना सिर्फ जागरूक करता है, बल्कि सुरक्षित, पर्याप्त और पौष्टिक भोजन की उपलब्धता में आने वाली चुनौतियों से लड़ने की सीख भी देता है। भोजन मानव जीवन का आधार है। स्वास्थ्य विकास और कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक भी। हालांकि, दुख तब होता है जब खाद्य उत्पादन में वैश्विक प्रगति के बाद भी असंख्य लोग अभी भी भूख और कुपोषण का सामना कर रहे हैं। भोजन पर सभी का मौलिक अधिकार है, जिसे कोई नहीं छीन सकता। भोजन हीन इंसान को भोजन उपलब्ध करवाना प्रत्येक हुकूमत का पहला कर्तव्य होता है।

ईरान में एक और आपरेशन करेंगे ट्रंप



न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ नई सैन्य कार्रवाई का संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि अगर तेहरान किसी समझौते के लिए तैयार नहीं होता है, तो वाशिंगटन एक और ऑपरेशन शुरू कर सकता है। इससे कुछ घंटे पहले ही एक अमेरिकी दूत ने कहा था कि इसी सप्ताहांत तक ईरान पर फिर से बड़े हमले हो सकते हैं। फ्लोरिडा में एक रैली के दौरान 23 अक्टूबर को ट्रंप ने कहा, हम एक और एपिक फ्यूरी कर सकते हैं। यहां उन्होंने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सेना द्वारा चलाए जाने वाले युद्ध के लिए इस्तेमाल किए गए नाम का जिक्र किया। ट्रंप की इस धमकी के बाद ईरानी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि

अमेरिका और इजराइल ने अगर दोबारा हमला किया तो ईरान खाड़ी में समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल को निशाना बना सकता है। हमले से बचने के लिए ईरान ने अपना आगे का प्लान तैयार कर लिया है। ईरान खाड़ी में समुद्र के नीचे बिछे इंटरनेट केबल को निशाना बनाने की योजना तैयार की है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के राजनीतिक मामलों के उप प्रमुख यदोल्लाह जावानी ने कहा है कि अगर ईरानी बुनियादी ढांचे पर हमला हुआ तो ईरान होर्मुज के नीचे मौजूद सात प्रमुख इंटरनेट केबल को काट देगा। समुद्र के नीचे की इंटरनेट केबल से लेकर सैन्य ठिकानों तक कोई जगह सुरक्षित नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि, ईरान की ना केवल समुद्र के नीचे बिछे इन केबल तक पूरी पहुंच है, वह इन्हें पूरी तरह से नष्ट भी कर सकता है। बता दें कि समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल दुनिया के करीब 99 प्रतिशत इंटरनेट ट्रैफिक पहुंचाती हैं। कई केबल कटने से इंटरनेट की रफ्तार धीमी हो सकती है और विन्तीय लेनदेन, ऑनलाइन कारोबार और क्लाउड सेवाओं पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा युद्ध के दौरान केबल की मरम्मत भी मुश्किल हो सकती है।

अगले हफ्ते कैबिनेट में फेरबदल होगा :

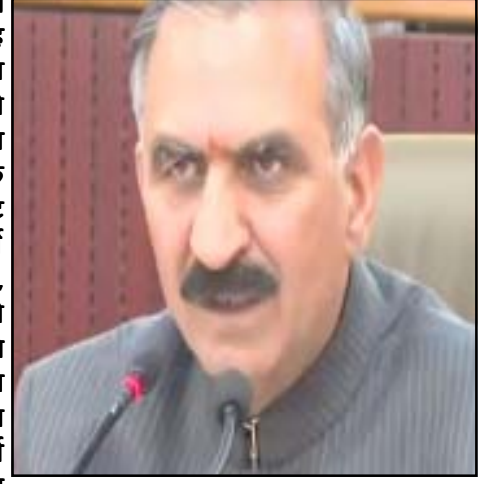
उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगले हफ्ते कैबिनेट में फेरबदल और विस्तार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला से चर्चा के बाद मंत्रियों की सूची फाइनल कर ली गई है। श्रीनगर के लोक भवन में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्होंने उपराज्यपाल से अगले हफ्ते के शुरुआती दो-तीन दिनों में समय तय करने का अनुरोध किया है ताकि मंत्रिपरिषद का विस्तार और फेरबदल किया जा सके। उन्होंने पार्टी सहयोगियों और मंत्री पद के दावेदारों से यह भी कहा कि वे मंत्री पद पाने के लिए लॉबिंग करना बंद कर दें क्योंकि इस पर फैसला पहले ही लिया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार सऊदी अरब में फंसे उमराह यात्रियों का मुद्दा विदेश मंत्रालय के सामने उठा रही है और जरूरत पड़ने पर अपने बजट से उन्हें आर्थिक मदद देने के लिए भी तैयार है।

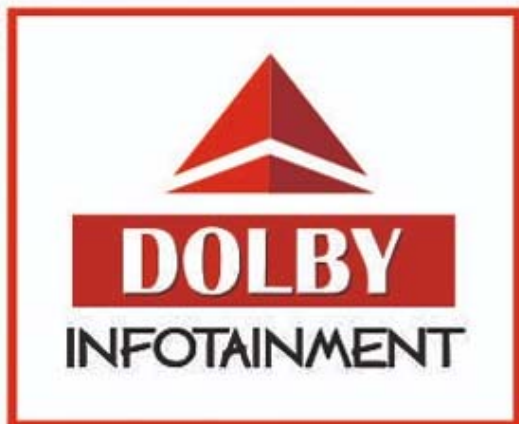
आईटीबीपी-इन्फैंट्री को जमीन हस्तांतरित करने पर मंथन, बंदरों की संख्या का डेटा तैयार होगा

शिमला, एजेंसी।

मुख्यमंत्री सुखविंद सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश राज्य वन्यजीव बोर्ड की 12वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में औद्योगिक विकास, सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सीमावर्ती आधारभूत अधोसंरचना, सड़क सुविधा, गैर वानिकी कार्यों के लिए वन भूमि के उपयोग तथा वन्यजीव संरक्षण से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई। इन प्रस्तावों पर विकास की आवश्यकताओं, राष्ट्रीय सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव संरक्षण को ध्यान में रखते हुए विचार-विमर्श किया गया। बोर्ड ने जिला कांगड़ा के संसारपुर टैरेस औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1 में प्लॉट नंबर 53 और 54 पर मैसर्स सीएमजी बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड की ओर से सक्रिय औषधि सामग्री (एपीआई) और इंटरमीडिएट्स निर्माण इकाई स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। बैठक में लाहौल-स्पीति जिले की स्पीति तहसील के मुहाल लालुंग और



धार चोकुला काजा में बॉर्डर आउट पोस्ट लालुंग की स्थापना के लिए जिला किन्नौर के रिकांगपिओ स्थित भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की 17वीं बटालियन के पक्ष में 1.78. 20 हेक्टेयर वन भूमि के हस्तांतरण के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, जिला किन्नौर में फॉरवर्ड पोस्ट निथल थाच की स्थापना के लिए कुल्लू स्थित आईटीबीपी की दूसरी बटालियन के पक्ष में 1.60 हेक्टेयर वन भूमि के हस्तांतरण के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया।

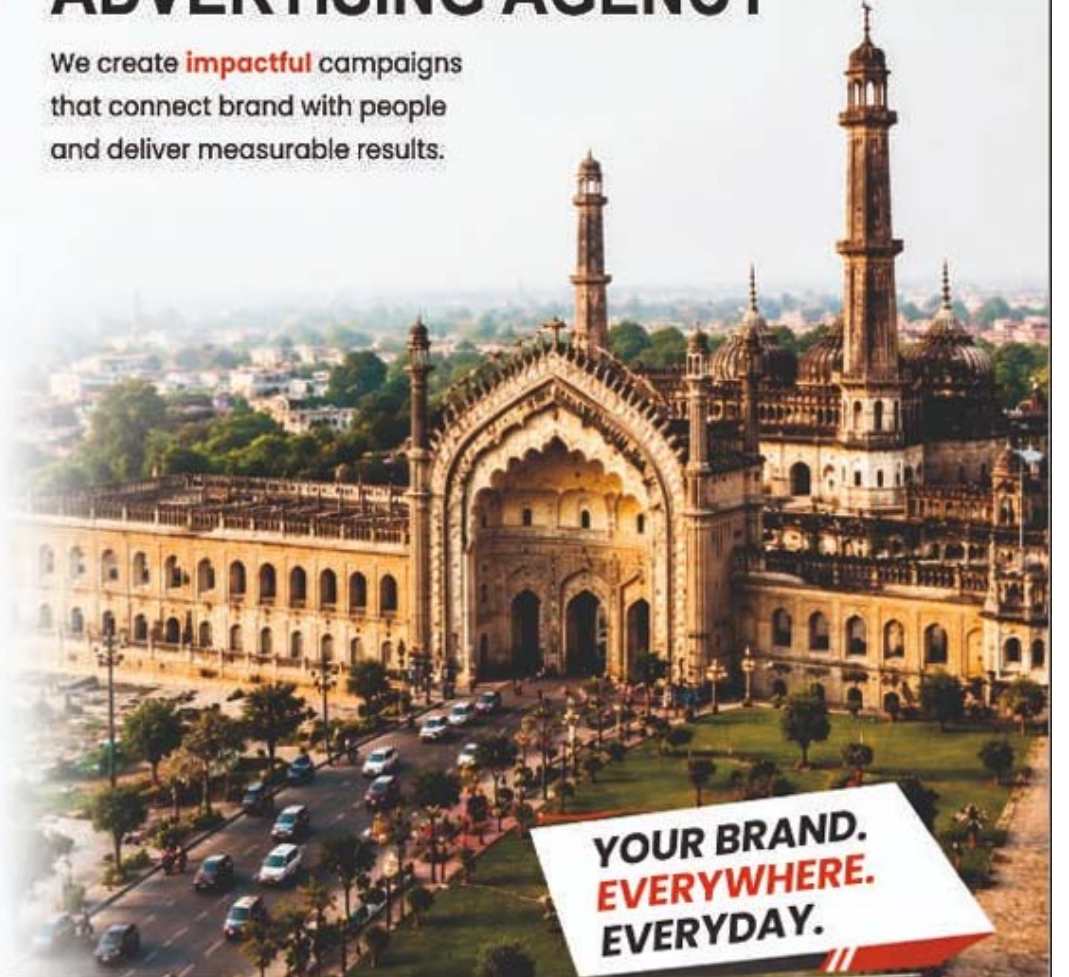


Where brands become legends

- TV & Radio Advertising
- Outdoor Advertising
- Cricket Advertising
- Multiplex Advertising
- Social Media Advertising
- Transit Media Advertising

INDIA'S LEADING ADVERTISING AGENCY

We create **impactful** campaigns that connect brand with people and deliver measurable results.



PRINT | TV | RADIO | DIGITAL | OUTDOOR | EVENTS | ACTIVATIONS | BRANDING



Call us:
0522-4010 844
7985907267 | 8318924761



Website:
dolbyinfotainment.com



Email:
dolbyinfotainment@gmail.com

सपनों की उड़ान से सृजन की पहचान तक



अशोक त्रिपाठी

किसी राष्ट्र का भविष्य उसकी संसदों में पारित कानूनों से कम और उसके शिक्षण संस्थानों में गढ़े जा रहे विद्यार्थियों के चरित्र से अधिक निर्धारित होता है। छात्र केवल किसी देश की युवा आबादी नहीं, बल्कि उसकी संभावनाओं, विचारों, मूल्यों और विकास की जीवंत पूंजी होते हैं। उनकी आंखों में पलते सपने राष्ट्र की तकदीर लिखते हैं और उनके हाथों में संवरता भविष्य सभ्यता की दिशा तय करता है। किंतु जब यही हाथ सृजन के औजारों के बजाय विध्वंस के हथियार उठाने लगें, जब ज्ञान की जिज्ञासा हिंसा की उत्तेजना में बदलने लगे और जब शिक्षा के मंदिरों में अनुशासन की जगह अराजकता पनपने लगे, तब यह केवल छात्र जीवन का संकट नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की चेतना के लिए खतरे की घंटी है। विश्व छात्र दिवस इसी संदर्भ में आत्ममंथन का अवसर है।

प्रतिवर्ष 15 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व छात्र दिवस भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और 'मिसाइल मैन' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती को समर्पित है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिवस को आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किए जाने का दावा नहीं करना चाहिए, फिर भी भारत में यह दिन व्यापक रूप से कलाम के विद्यार्थी-केंद्रित विचारों, शिक्षा के प्रति समर्पण और युवाओं के स्वप्नशील व्यक्तित्व के सम्मान के रूप में मनाया जाता है। डॉ. कलाम के लिए विद्यार्थी केवल परीक्षाओं में अंक प्राप्त करने वाले छात्र नहीं थे, बल्कि वे ऐसे स्वप्नदृष्टा थे,

जिनके भीतर देश की तस्वीर बदलने की क्षमता थी। वे बच्चों के बीच जाते, उनसे संवाद करते, उनके प्रश्नों को प्रोत्साहित करते और उन्हें बड़े सपने देखने की प्रेरणा देते थे। उनका विश्वास था कि सपने वे नहीं होते जो नींद में आते हैं, बल्कि वे होते हैं जो व्यक्ति को सोने नहीं देते। उनका जीवन इस बात का प्रमाण था कि साधारण परिस्थितियों में जन्मा व्यक्ति भी असाधारण संकल्प, ज्ञान और परिश्रम से इतिहास रच सकता है। डॉ. कलाम का मिशन केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं था। उनका व्यापक स्वप्न भारत को विकसित, आत्मनिर्भर, ज्ञान-संपन्न और नैतिक रूप से सशक्त राष्ट्र बनाना था। उन्होंने युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, आत्मविश्वास और राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने का प्रयास किया। उनकी दृष्टि में शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका कमाने की योग्यता पैदा करना नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर विवेक, संवेदना, चरित्र और उत्तरदायित्व का विकास करना भी था। वे चाहते थे कि प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा पहचाने, असफलताओं से सीखे और अपनी ऊर्जा को समाज की समस्याओं के समाधान में लगाए। आज प्रश्न यह है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था और छात्र राजनीति उनके इस स्वप्न को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं? समकालीन परिदृश्य का एक चिंताजनक पक्ष यह है कि अनेक शिक्षण संस्थानों में हिंसक टकराव, तोड़फोड़, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, अनुशासनहीनता और शक्ति प्रदर्शन जैसी घटनाएं चिंता उत्पन्न कर

रही हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि समूचा छात्र समुदाय इस प्रवृत्ति का शिकार है, क्योंकि इसी पीढ़ी के विद्यार्थी विज्ञान, तकनीक, खेल, पर्यावरण संरक्षण, उद्यमिता और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य भी कर रहे हैं। फिर भी जहां छात्र जीवन की रचनात्मक ऊर्जा नकारात्मक गतिविधियों में खपती है, वहां समाज को उसके कारणों की पड़ताल करनी चाहिए। आखिर जिस उम्र में प्रयोगशालाओं में नए आविष्कार होने चाहिए, उस उम्र में यदि परिसर संघर्ष के अखाड़े बन जाएं, तो यह हमारी सामूहिक विफलता का संकेत है। छात्र आंदोलनों का इतिहास बताता है कि युवाओं की आवाज ने अनेक बार सामाजिक परिवर्तन, लोकतांत्रिक अधिकारों और जनहित के प्रश्नों को नई धार दी है। अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना, व्यवस्था से जवाबदेही मांगना और शिक्षा संबंधी समस्याओं पर संगठित होना छात्र जीवन का सकारात्मक पक्ष है। लेकिन आंदोलन और अराजकता के बीच एक महीन, किंतु निर्णायक रेखा होती है। जब तर्क की जगह ताव, संवाद की जगह टकराव और विरोध की जगह हिंसा ले लेती है, तब उद्देश्य पीछे छूट जाता है और अहंकार आगे आ जाता है। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार अनिवार्य है, लेकिन असहमति के नाम पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, शिक्षकों का अपमान करना अथवा दूसरे विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित करना किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता। आग लगाकर उजाला नहीं किया जा सकता और शाख काटकर वृक्ष को मजबूत नहीं बनाया जा सकता। इस स्थिति के लिए केवल विद्यार्थियों को दोष देना भी समस्या का सरलीकरण होगा। परिवारों में संवाद का अभाव, शिक्षा का बढ़ता व्यावसायीकरण, रोजगार को लेकर अनिश्चितता, मानसिक दबाव, सोशल मीडिया पर आक्रामकता का महिमामंडन, नशे की आसान उपलब्धता और छात्र राजनीति में बाहरी स्वार्थों का हस्तक्षेप भी इस संकट को गहरा सकते हैं।

संपर्क बिना जग सून

हमें मालूम हो गया कि उनकी धरती के इस चौड़े सीने पर हमारे जैसे उठाईगीरों को कोई जगह नहीं मिलेगी। गुस्ताखी माफ, खुद ही हमने अपने आप को उठाईगीर कह दिया, जबकि हमें यहां कभी कुछ उठाने लायक लगा ही नहीं। चन्द महापुरुषों से मुलाकात हुई है, जो मिलते ही हमसे चरण वन्दना की उम्मीद करने लगते हैं। नहीं कर पाते, तो हमें तुरंत अपने गुट से बाहर फेंक देते हैं। हमारे खिलाफ एकतरफा जंग का ऐलान कर देते हैं, लेकिन अब जो पहले ही आपके अखाड़े में पराजित बैठा हो, उसे जंग लड़ने के लिए कैसे उकसाओगे? जिंदगी के कामयाबी से जीने के आपके कुछ

असूल हैं, जो उम्र भर उन पर चल ही नहीं पाया, उसके खिलाफ आपने अपना फौज फांटा खड़ा भी कर लिया, तो क्या किया। जो आपके अखाड़े में उतरा ही नहीं, उसे आपके अखाड़े का भगौड़ा घोषित कर दिया, यह क्या किया? वह मूर्ख था। उसने जो किताबों में पढ़ा था, उसे ही अपनी जिंदगी में ढालने का प्रयास करता रहा, इसलिए कभी न उधर का हो सका, न इधर का। कामयाबी ने उसके कभी पग तो क्या माथा भी नहीं चूमा, और असफलता तो उसका परिचय बनी। उसके साथ कोई अतिवादी मानक डिग्रियां कैसे जोड़ देता? हमने छक्कन से पूछा, कि आप

किसकी बात कह रहे हैं, भाई साहब। कहीं हमारी और हमारे लिखने की बात तो नहीं कर रहे, जिसे कभी किसी ने पढ़ा तो है न, और लेखक मानने से हमेशा इन्कार कर दिया।' इसके बावजूद आप मरते दम तक लिखने से बाज नहीं आए। वह अवश्य आश्चर्य हो गए होंगे, कि इस जन्मजात जुनूनी का शुरू से कोई पेंच ढीला था, देख तो मरते दम तक ढीला ही रहा। उन्होंने कह दिया होगा। अपने बारे में ऐसा सुनना कुछ अजीब नहीं लगता। हम शुरू से ही असाधारण नहीं थे, जिस काम में हाथ डालते अपनी अति-साधारणता से उसका गुड़ गोबर कर देते।

HEER & HARRY

UNISEX SALON

where beauty meets luxury...

3RD FLOOR

OUR SERVICES

HAIR SERVICES

SKIN TREATMENTS

NAIL & PEDICURE

MEN'S GROOMING

BRIDAL PACKAGES

BOOK YOUR APPOINTMENT

9120313232

श्रीमती कमलेश कुमारी

सनातन धर्म में शरद पूर्णिमा का पर्व अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को मनाए जाने वाले इस पर्व को रास पूर्णिमा, कौमुदी पूर्णिमा और कोजागरी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। वर्षा ऋतु के समापन और शरद ऋतु के आगमन के बीच आने वाली यह पूर्णिमा प्रकृति की सुंदरता, चंद्रमा की शीतलता, आध्यात्मिक साधना और ईश्वर के प्रति समर्पण का प्रतीक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात्रि चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण माना जाता है। इस दिन चंद्रदेव की उपासना, भगवान श्रीकृष्ण की आराधना, मां लक्ष्मी की पूजा तथा दूध और चावल से बनी खीर का भोग लगाने की विशेष परंपरा है। शरद पूर्णिमा केवल चंद्रमा की पूजा का पर्व नहीं है, बल्कि यह मन की शांति, सात्त्विक जीवन, कृतज्ञता, दान-पुण्य और आध्यात्मिक चिंतन का भी अवसर है। इस दिन श्रद्धालु अपने आराध्य देव का स्मरण कर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन की प्रार्थना करते हैं।

शरद पूर्णिमा का पौराणिक और आध्यात्मिक महत्व

सनातन परंपरा में पूर्णिमा तिथि को चंद्रमा की पूर्णता, मन की शीतलता और आध्यात्मिक साधना से जोड़कर देखा जाता है। शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व इसलिए भी है, क्योंकि इस समय आकाश प्रायः स्वच्छ दिखाई देता है और चंद्रमा की उज्ज्वल चांदनी प्रकृति को मनोहारी बना देती है। धार्मिक मान्यता है कि इस रात्रि में भगवान का स्मरण, मंत्र-जप, भजन-कीर्तन और ध्यान करने से मन में श्रद्धा

शरद पूर्णिमा के विविध आयाम



एवं सकारात्मक संकल्प का भाव विकसित होता है। शरद पूर्णिमा हमें यह संदेश देती है कि जीवन की व्यस्तता के बीच भी व्यक्ति को अपने मन, विचारों और आचरण को शांत एवं पवित्र बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए।

भगवान श्रीकृष्ण की महारास लीला से जुड़ा पर्व

शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा कहे जाने के पीछे भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य महारास लीला की मान्यता जुड़ी हुई है। श्रीमद्भागवत महापुराण के दशम स्कंध में वर्णित रासलीला का प्रसंग श्रीकृष्ण और गोपियों की अनन्य भक्ति, प्रेम तथा पूर्ण समर्पण का आध्यात्मिक संदेश देता है। वृंदावन और ब्रज क्षेत्र में इस अवसर पर विशेष भजन, कीर्तन, रासोत्सव और श्रीकृष्ण की आराधना की जाती है। महारास का आध्यात्मिक संदेश केवल उत्सव तक सीमित नहीं है। यह जीवात्मा और परमात्मा के प्रेमपूर्ण संबंध, अहंकार के त्याग और ईश्वर के प्रति एकनिष्ठ भक्ति का प्रतीक

माना जाता है। इस दिन श्रीकृष्ण के मंत्रों का जप, गीता का पाठ अथवा हरिनाम संकीर्तन करना श्रद्धालुओं के लिए विशेष आध्यात्मिक अनुभव हो सकता है।

कोजागरी पूर्णिमा और मां लक्ष्मी की आराधना

शरद पूर्णिमा को कई क्षेत्रों में कोजागरी पूर्णिमा भी कहा जाता है। 'कोजागरी' शब्द का संबंध पारंपरिक रूप से इस प्रश्न से जोड़ा जाता है— 'को जागर्ति?' अर्थात् कौन जाग रहा है?

लोकमान्यता के अनुसार, इस रात्रि मां लक्ष्मी की आराधना, दीप प्रज्वलन और जागरण का विशेष महत्व है। अनेक परिवार रात्रि में लक्ष्मी पूजन करते हैं और धन-धान्य, सद्बुद्धि, परिश्रम में सफलता तथा घर में सुख-शांति की प्रार्थना करते हैं। मां लक्ष्मी की पूजा करते समय स्वच्छता, सदाचार, ईमानदारी और दानशीलता को भी महत्व देना चाहिए। धार्मिक दृष्टि से समृद्धि का अर्थ केवल धन प्राप्त करना नहीं, बल्कि परिवार में प्रेम, संतोष, सद्बुद्धि और दूसरों की सहायता करने की भावना का विकास करना भी है। ध्यान रहे कि कोजागरी की पूजा-पद्धति और रात्रि-जागरण की परंपरा अलग-अलग क्षेत्रों एवं परिवारों में भिन्न हो सकती है।

शरद पूर्णिमा पर खीर का विशेष महत्व

शरद पूर्णिमा की सबसे प्रसिद्ध परंपराओं में से एक है— दूध, चावल और मेवे से बनी खीर को भगवान को अर्पित करना और चंद्रमा की रोशनी में रखना। खीर को भारतीय धार्मिक परंपरा में सात्त्विक भोग माना जाता है। दूध और चावल से तैयार यह व्यंजन पवित्रता, सरलता, पोषण और प्रसाद की भावना से जुड़ा है।

अनेक परिवारों में इसे भगवान श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी अथवा अपने कुलदेवता और इष्टदेव को अर्पित किया जाता है। परंपरागत मान्यता के अनुसार, शरद पूर्णिमा की चांदनी में रखी खीर को अगले दिन प्रसाद के रूप में ग्रहण करना शुभ माना जाता है। हालांकि, यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा है। चांदनी में रखने से खीर में विशेष औषधीय शक्ति उत्पन्न होने या रोगों का उपचार होने का दावा वैज्ञानिक रूप से स्थापित नहीं है। खीर को चांदनी में रखने का सही और सुरक्षित तरीका

खीर को अच्छी तरह पकाकर स्वच्छ, ढके हुए पात्र में रखें। पात्र को ऐसी साफ जगह पर रखें, जहां चंद्रमा की रोशनी आती हो। खीर को धूल, कीट-पतंगों और

अन्य दूषित स्रोतों से सुरक्षित रखें। दूध से बनी खीर को पूरी रात कमरे के तापमान पर खुला न छोड़ें। खाद्य सुरक्षा के लिए इसे शीघ्र ठंडा करके फ्रिज में रखना अधिक सुरक्षित है। अगले दिन प्रसाद ग्रहण करते समय खीर की ताजगी और सुरक्षित भंडारण का ध्यान रखें। श्रद्धा के साथ-साथ प्रसाद की शुद्धता और स्वास्थ्य की सुरक्षा भी आवश्यक है।

चंद्रदेव की पूजा और अर्घ्य का महत्व

ज्योतिषीय परंपरा में चंद्रमा को मन, भावनाओं, मानसिक शांति और संवेदनशीलता का कारक माना जाता है। इसी कारण पूर्णिमा के अवसर पर चंद्रदेव की उपासना की जाती है। शरद पूर्णिमा की रात्रि में चंद्रमा के दर्शन करके जल अर्पित करना, प्रार्थना करना और शांत मन से मंत्र-जप करना प्रचलित धार्मिक परंपराएं हैं। कुछ श्रद्धालु चंद्रदेव को दूध मिश्रित जल अर्पित करते हैं, जबकि अन्य स्वच्छ जल से ही अर्घ्य देते हैं।

चंद्र उपासना के दौरान निम्न मंत्र का जप किया जा सकता है—ॐ सां सोमाय नमः

श्रद्धालु अपनी श्रद्धा, पारिवारिक परंपरा और सामर्थ्य के अनुसार मंत्र-जप कर सकते हैं। पूजा का मुख्य उद्देश्य मन को शांत करना, कृतज्ञता व्यक्त करना और सद्विचारों के साथ जीवन में आगे बढ़ना है।

हड्डियों को मजबूत बनाना चाहते हैं तो इन चीजों का रोजाना करें सेवन



स्वस्थ रहने के लिए हैल्दी डाइट होना बेहद जरूरी है। सेहतमंद शरीर के लिए हड्डियों का मजबूत होना बहुत आवश्यक है, क्योंकि शरीर का पूरा ढांचा हड्डियों पर टिका होता है। ऐसे में हड्डियों का मजबूत होना जरूरी है। इसके लिए कैल्शियम और विटामिन डी की आवश्यकता होती है। अगर हमारे शरीर की हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं, तो अक्सर जोड़ों में दर्द और अकड़न जैसी समस्याएं होने लगती हैं। बता दें कि बढ़ती उम्र के बच्चों के विकास के लिए भी हड्डियों का मजबूत होना बहुत जरूरी है, इसलिए बच्चों की डाइट में कैल्शियम से युक्त खाद्य पदार्थ देना चाहिए। बच्चों के साथ-साथ बड़ों को भी प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन डी जैसे पोषक तत्वों वाले आहार का सेवन करना चाहिए। आप इसके

लिए अपनी डाइट में कुछ खाद्य पदार्थों को शामिल कर सकते हैं। इससे शरीर में पोषक तत्वों की कमी नहीं होगी, साथ ही हड्डियां मजबूत रहेंगी।

◆ बादाम—यह सेहत और दिमाग, दोनों के लिए अच्छा माना जाता है। इसमें कैल्शियम और विटामिन डी भी पाया जाता है, इसका सेवन करना हड्डियों के लिए अच्छा रहता है। आप रात को पानी में 3 से 4 बादाम भिगोकर रख दें और सुबह को खा लें।

◆ दूध—अगर शरीर में कैल्शियम बढ़ाने की बात की जाए, तो सबसे पहले दूध का नाम लिया जाता है। यह एक संपूर्ण आहार माना जाता है। दूध की पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसके अलावा दही और पनीर जैसे डेयरी प्रोडक्ट को भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

wisom360™
Cultivating Success

(AN IIT/IIM ALUMNI INITIATIVE)

Class V to XII
(CBSE & ICSE)

70072-79710

1/46 Rashmi Khand Sharda Nagar 226002.

महाराष्ट्र में सूखे से बढ़ा दबाव, सरकारी खर्चों में होगी 20 प्रतिशत की कटौती



महाराष्ट्र के राजस्व पर दबाव बढ़ने की बात सामने आई है। वस्तु एवं सेवा कर (वैज), राज्य उत्पाद शुल्क, स्टॉप ड्यूटी और वाहन कर से होने वाली आय में

महाराष्ट्र में सूखे के संकट और राज्य के राजस्व पर बढ़ते दबाव के बीच सरकार खर्चों में कटौती के विकल्प तलाश रही है। राज्य के वित्त विभाग ने सभी सरकारी विभागों को अपने खर्च में 20 प्रतिशत तक कटौती की संभावनाओं की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। इसका उद्देश्य अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण लगाकर सूखा प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए अतिरिक्त धन उपलब्ध कराना है। वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच

कमी की जानकारी दी जा रही है। राज्य में सूखे के हालात को ध्यान में रखते हुए सरकारी खर्च को कंट्रोल करने के लिए कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने डिपार्टमेंट को किफायत से खर्च करने का निर्देश दिया है। इसके मुताबिक, हर डिपार्टमेंट को अपने खर्च में 20: की कटौती करने का प्लान बनाना होगा। सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों पर बढ़ते खर्च के कारण वित्तीय प्रबंधन की चुनौती भी बढ़ गई है।

लार्सन एंड टुब्रो बनाएगी केन्द्रीय सचिवालय और अमरावती में 2 नए ब्लॉक



की जानकारी दी। कंपनी के मुताबिक, इन परियोजनाओं का कुल मूल्य 2,500 करोड़ रुपये से 5,000 करोड़ रुपये के बीच की बड़ी श्रेणी में आता है। हालांकि, कंपनी ने इन ठेकों की

दिल्ली और आंध्र प्रदेश में सरकारी कार्यालयों के निर्माण के लिए लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) को बड़े ठेके मिले हैं। इन परियोजनाओं के तहत दिल्ली में केंद्र सरकार के कार्यालय बनाए जाएंगे, जबकि आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती में क्वांटम कंप्यूटिंग केंद्र के पास 2 बड़ी कार्यालय इमारतें तैयार की जाएंगी। एलएंडटी ने इन ठेकों

सटीक कुल कीमत का खुलासा नहीं किया है। बता दें कि कंपनी को बुनियादी ढांचे और बड़े निर्माण कार्यों के क्षेत्र में प्रमुख कंपनियों में गिना जाता है।

दिल्ली में मिलने वाले ठेके के तहत एलएंडटी को कर्तव्य पथ के पास साझा केंद्रीय सचिवालय की इमारत संख्या 4 और 5 का निर्माण करना है। यह काम केंद्रीय लोक निर्माण विभाग की ओर से दिया गया है।

www.RashiSanyog.com

आपकी रूख कुण्डली में बैठे ज्योतिषी आपको अपनी शान्ति हेतु एवं सुखमय व आनन्दमय जीवन का पथ देने के लिये नईय आपकी साथ हैं "ज्योतिषाचार्य एस. सी. गुप्ता"

Get Appointment with Astrologer
S. C. Gupta

Mail to: Rashisanyog@gmail.com | Like us on: Facebook.com/rashisanyog
Follow us: Twitter.com/rashisanyog

बीएल एग्रो तंजानिया में करेगी 7,000 करोड़ रुपये का निवेश

बीएल एग्रो ने वैश्विक बाजार में कदम रखने की घोषणा की। कंपनी अगले 10 साल में तंजानिया में खाद्य तेल, डेयरी, कृषि, अनुसंधान और विनिर्माण क्षेत्रों में 7,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। विदेश में विस्तार की यह योजना वर्ष 2030 तक 30,000 करोड़ रुपये का समूह बनने की कंपनी की महत्वाकांक्षा का हिस्सा है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक आशीष खंडेलवाल ने कहा, "हमने 7,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई है। इसका उद्देश्य स्थानीय समुदायों के लिए मूल्य सृजन करने वाली दीर्घकालिक साझेदारियां बनाना है। इसके जरिये भारतीय विशेषज्ञता, प्रौद्योगिकी और उद्योग के अनुभव को तंजानिया तक पहुंचाने की भी योजना है।" खंडेलवाल ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में बताया कि शुरुआत में निवेश कंपनी की आंतरिक कमाई से किया जाएगा।

कंपनी बैंक ऋण लेने के विकल्प पर भी विचार कर रही है, जिसमें प्राथमिकता रियायती दरों पर कर्ज लेने की होगी। इसके अलावा, शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना भी धन जुटाने का एक विकल्प है। हालांकि आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) लाने का विचार अभी "बहुत शुरुआती चरण" में है। उन्होंने बताया कि तंजानिया को पहले विदेशी गंतव्य के रूप में वहां बड़ी मात्रा में उपलब्ध

भूमि और अनुकूल जलवायु के कारण चुना गया है। तंजानिया सरकार रियायती दरों पर सात लाख हेक्टेयर जमीन 99 साल के पट्टे पर उपलब्ध करा रही है। कृषि और पशुपालन गतिविधियों के लिए इस जमीन के एक हिस्से पर सरकार संयुक्त उद्यम भागीदार के रूप में भी शामिल होगी।

पहले चरण में बीएल एग्रो करीब 1,500 करोड़ रुपये के निवेश से खाद्य तेल परिसर स्थापित करेगी, जिसकी प्रसंस्करण क्षमता प्रतिदिन 1,100 टन होगी। स्थानीय स्तर पर सूरजमुखी के बीजों की उपलब्धता को देखते हुए यह संयंत्र मुख्य रूप से सूरजमुखी तेल पर केंद्रित होगा। इसके अप्रैल 2027 तक चालू होने की योजना है। कंपनी अपने उत्पाद 'नरिश' ब्रांड के तहत बेचेगी। खंडेलवाल ने कहा कि तंजानिया में खाद्य तेल की मौजूदा दैनिक मांग करीब 1,100 टन है, जो भारत में बीएल एग्रो की प्रसंस्करण क्षमता के बराबर है। शुरुआती उत्पादन केवल तंजानिया के बाजार में बेचा जाएगा और इसे भारत नहीं भेजा जाएगा। देसीउत्पाद खोजें

कंपनी को बाद में पड़ोसी देशों में भी आपूर्ति की संभावनाएं दिख रही हैं। उन्होंने कहा, "तंजानिया एकमात्र ऐसा देश है जहां कई



बंदरगाह उपलब्ध हैं। इसके अलावा, सात अन्य देश उससे जुड़े हुए हैं और तंजानिया के बंदरगाहों का इस्तेमाल करते हैं।" अगले 10 साल में करीब 2,000 करोड़ रुपये तंजानिया में भारत के गाय प्रजनन और आनुवंशिकी कार्यक्रम को लागू करने पर खर्च किए जाएंगे। तंजानिया में एक गाय से प्रतिदिन केवल 1-1.5 लीटर दूध मिलता है, जबकि भारत में यह मात्रा 7-8 लीटर है। खंडेलवाल ने कहा, "हम यहां से नस्ल ले जाएंगे। वहां का तापमान अधिक अनुकूल है और गायों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए बेहतर है। हम केवल गिर नस्ल की गायों के साथ आगे बढ़ेंगे।" बीएल एग्रो की योजना तंजानिया में फसलों की पैदावार बढ़ाने की भी है। वहां प्रति हेक्टेयर पैदावार 800-900 किलोग्राम है, जबकि भारत में यह 2-2.5 टन है। कंपनी आयात पर निर्भर रहने के बजाय स्थानीय स्तर पर कृषि उपकरण, ट्रैक्टर और मशीनों के कलपुर्जे विकसित करने की योजना बना रही है।

2027 से बदल जाएंगे कार सेफ्टी के नियम, केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

केंद्र सरकार ने वाहनों की सुरक्षा के लिए नए नियम अधिसूचित किए हैं। इस नियम के तहत एक अक्टूबर 2027 से एम1-श्रेणी के यात्री वाहनों में 'एटी-थेफ्ट इमोबिलाइजर' लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही टक्कर से सुरक्षा, पैदल चलने वालों की सुरक्षा और 'इवेंट डेटा रिकॉर्डर' के मानकों के स्तर को बढ़ाने के लिए 2032 तक चरणबद्ध तरीके से लागू होने वाली समय-सीमा तय की गई है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 21 अक्टूबर को भारत के राजपत्र में एक अधिसूचना जारी कर 'मोटर वाहन अधिनियम, 1988' और 'केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989' के तहत वाहनों की सुरक्षा से जुड़े तकनीकी मानकों में संशोधन किया है। संशोधित नियमों



के अनुसार एक अक्टूबर 2027 से एम1-श्रेणी के यात्री वाहनों में 'ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड एआईएस-076' के तहत अनिवार्य इमोबिलाइजर लगाना जरूरी होगा। यह एक इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा प्रणाली है, जिसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि कोई भी अनधिकृत व्यक्ति वाहन को स्टार्ट न कर

सके। अधिसूचना में सामने और किनारे से होने वाली टक्करों के मामले में यात्रियों की सुरक्षा के लिए और भी कड़े नियम तय किए गए हैं। नये मॉडलों के लिए इन्हें लागू करने की तारीख 1 अक्टूबर 2027 और अन्य सभी संबंधित

मॉडलों के लिए 1 अक्टूबर 2028 तय की गई है।

संशोधित 'ऑफसेट फ्रंटल कोलिजन स्टैंडर्ड' (एआईएस-098, रिवीजन 1) और 'साइड-इम्पैक्ट प्रोटेक्शन स्टैंडर्ड' (एआईएस-099, रिवीजन 1), अधिसूचित समय-सारणी के अनुसार पुराने मानकों की जगह लेंगे।

वेनेजुएला के तेल पर रिलायंस से जल्द होगी बातचीत

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो अपनी तीन दिन की भारत यात्रा पर मंगलवार को मुंबई पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भारत की ऊर्जा क्षमता की खुलकर तारीफ की और कहा कि भारत एक 'रिफाइनिंग सुपरपावर' यानी रिफाइनिंग के मामले में बहुत आगे है। रुबियो ने बताया कि भारत के पास भारी क्रूड ऑयल यानी कच्चे तेल को रिफाइन करने



की बेहतरीन क्षमता है और वह पहले भी ऐसा कर चुका है। अपनी इस यात्रा के दौरान मार्को

रुबियो ने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल जल्द ही रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ वेनेजुएला में तेल उत्पादन को लेकर बातचीत करेगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि भारत की वेनेजुएला में पहले से ही कुछ ऑयल कंसेशंस यानी तेल रियायतें मौजूद हैं, जिनकी मदद से वहां और ज्यादा उत्पादन किया जा सकता है।

MY SPORT CART
LIVE . PLAY . WIN

ONLINE SHOPPING
Customer Care:
+91-9654477772
(10am - 8pm)
www.mysportcart.com

रहाणे ने चौकाया, ऑल टाइम टेस्ट प्लेइंग-11 में रोहित-कोहली-बुमराह को नहीं दी जगह



पूर्व भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने अपनी ऑल टाइम भारतीय टेस्ट प्लेइंग-11 चुनी है, जिसमें उन्होंने विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रोहित शर्मा जैसे बड़े खिलाड़ियों को जगह नहीं दी है। रहाणे ने

नंबर चार के स्थान पर विराट के बजाय सचिन तेंदुलकर को प्राथमिकता दी है। उन्होंने खुद को भी इस टीम में शामिल किया है। पारी की शुरुआत के लिए उन्होंने मुरली विजय और शिखर धवन की ओपनिंग जोड़ी को चुना, जिसके चलते रोहित शर्मा इस टीम में जगह नहीं बना सके। इसके बाद बल्लेबाजी क्रम में उन्होंने नंबर-3 पर राहुल द्रविड़ और नंबर-4 पर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को रखा। नंबर-5 पर खुद अजिंक्य रहाणे ने बल्लेबाजी

के लिए अपनी जगह बनाई।

उनके ठीक बाद नंबर-6 पर पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को रखा गया। गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो स्पिन विभाग की जिम्मेदारी अनुभवी स्पिनरों रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन को सौंपी गई। वहीं, तेज गेंदबाजी के मोर्चे पर रहाणे ने भुवनेश्वर, मोहम्मद शमी और ईशांत शर्मा को शामिल किया, जिसके चलते मौजूदा समय के प्रमुखा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस टीम से बाहर रह गए। कोहली, रोहित और बुमराह जैसे सीनियर खिलाड़ियों का इस ऑल टाइम इलेवन-11 में न होना क्रिकेट जगत में काफी चर्चा का विषय बना हुआ है।

मुंबई इंडियंस को मिला नया हेड कोच, 16 साल पुराने साथी पोलार्ड को सौंपी कमान



मुंबई इंडियंस ने कीरोन पोलार्ड को टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया है। इसके साथ ही आईपीएल फ्रैंचाइजी के साथ उनके 16 साल पुराने रिश्ते ने एक नया अध्याय शुरू कर दिया है। पोलार्ड एमआई की सबसे सफल यात्राओं का अहम हिस्सा रहे हैं और हाल के वर्षों में बैटिंग कोच की भूमिका निभा रहे थे। मुंबई इंडियंस की सह-मालकिन नीता एम अंबानी ने पोलार्ड की नियुक्ति पर खुशी जताते हुए कहा, "पोलार्ड जब मुंबई इंडियंस से जुड़े थे, तब वह महज 22 साल के युवा खिलाड़ी थे। पिछले 16 साल में वह हमारे परिवार का अभिन्न हिस्सा बन

गए हैं। खिलाड़ी के तौर पर उन्होंने हमें कई यादगार पल दिए और कोच के रूप में भी अपने अनुभव, जुनून और खेल की गहरी समझ को साझा करते रहे हैं। हमें खेद है कि अब वह हेड कोच की नई जिम्मेदारी संभालेंगे। "पॉली (पोलार्ड) अच्छी तरह जानते हैं कि मुंबई इंडियंस की जर्सी पहनने का क्या मतलब है और पलटन के लिए खेलने के लिए क्या जरूरी होता है। मुझे भरोसा है कि वह इस भूमिका में भी उसी प्रतिबद्धता, विश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ काम करेंगे। मैं टीम को उसके अगले अध्याय में आगे ले जाने के लिए उन्हें शुभकामनाएं देती हूँ।" टी20 क्रिकेट के विकास के अहम दौर का हिस्सा रहे पोलार्ड खेल की बदलती रणनीतियों, सामरिक जरूरतों और बढ़ती प्रतिस्पर्धा को अच्छी तरह समझते हैं। खिलाड़ी और फिर बैटिंग कोच के रूप में मुंबई इंडियंस के साथ उनके अनुभव को टीम की सफलता में अहम माना जाता है। हेड कोच

बनने के बाद पोलार्ड ने कहा कि मुंबई इंडियंस की जिम्मेदारी संभालना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, "मुंबई इंडियंस के हेड कोच की भूमिका निभाना मेरे लिए सम्मान की बात है। एमआई मेरे जीवन और करियर का बहुत बड़ा हिस्सा रही है। इस टीम, खिलाड़ियों और पलटन के साथ मेरा जो रिश्ता है, वह मेरे लिए बेहद खेद है। खिलाड़ी और फिर कोच के रूप में इस सफर का हिस्सा रहने के कारण मैं समझता हूँ कि मुंबई इंडियंस किस चीज का प्रतिनिधित्व करती है और नीले-सुनहरे रंगों वाली इस जर्सी को पहनने के साथ कितनी बड़ी जिम्मेदारी आती है। मुझ पर भरोसा जताने के लिए मैं नीता अंबानी, आकाश अंबानी और पूरे एमआई परिवार का आभारी हूँ। मैं खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के साथ मिलकर काम करने, टीम की विरासत को आगे बढ़ाने, प्रतिभाओं को निखारने और पलटन को जश्न मनाने के कई और मौके देने के लिए उत्सुक हूँ।

एशियन पैरा खेल : नीतेश-थुलासिमथी ने मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 स्पर्धा में जीता रजत

भारत के नीतेश कुमार और थुलासिमथी मुरुगेसन ने आइची-नागोया पैरा एशियाई खेल-2026 में पैरा बैडमिंटन की मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 स्पर्धा में रजत पदक जीता। स्वर्ण पदक के लिए खेले गए फाइनल में भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की लेआनी रात्री ओक्तिला और हिकमत रामदानी के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।



फाइनल में भारतीय जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहला गेम 21-11 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे गेम में इंडोनेशियाई जोड़ी ने वापसी की और कड़े मुकाबले में 21-19 से जीत दर्ज कर स्कोर 1-1 कर दिया। निर्णायक तीसरे गेम में भी

दोनों जोड़ियों के बीच मुकाबला हुआ, लेकिन इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने 21-14 से गेम जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। नीतेश और थुलासिमथी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारत ने समाचार लिखे जाने तक एशियन पैरा खेल 2026 में 104 पदकों (27 स्वर्ण, 34 रजत और 43 कांस्य) के साथ पदक तालिका में चौथे स्थान पर है।

BHATIA BAKERY
Freshly Baked, Lovingly Made

OUR BRANCHES

- TELIBAGH | Main Market
- AKASH ELDECO | Bharat Petrol Pump
- VRINDAVAN | Sector-16

OUR SPECIALITIES

- New year Cakes
- Christmas Cakes
- Customised Cakes
- Chocolates Cakes
- Gift Hampers

Made with the Finest Ingredients

Contact Us: 9889731634

YOGA FOR EVERY BODY
HEALTH • HARMONY • HAPPINESS

Self Healing Centre

BREATHE STRETCH TRANSFORM

REGULAR YOGA CLASSES	₹1000/- PER MONTH	5:30 am to 6:30 am 6:30 am to 7:30 am 11:00 am to 12:00 pm 6:00 pm to 7:00 pm
LIFESTYLE DISEASES YOGA	₹1200/- PER MONTH	5:30 am to 6:30 am 6:30 am to 7:30 am 11:00 am to 12:00 pm 6:00 pm to 7:00 pm
SPECIAL YOGA SESSION	₹5000/- PER MONTH (ONE TO ONE)	ONE TO ONE PERSONAL ATTENTION
PREGNANCY YOGA CLASSES	₹1500/- PER MONTH	12:00 pm to 12:45 pm

CLASSES WILL BE TAKEN THROUGH **GOOGLE MEET** IN HINDI LANGUAGE. (MONDAY TO FRIDAY)

BENEFITS OF YOGA

- IMPROVES FLEXIBILITY
- REDUCES STRESS & ANXIETY
- BOOSTS IMMUNITY
- BETTER SLEEP & FOCUS
- SUPPORTS OVERALL WELL-BEING

CONTACT US 9532972266 | Small Steps Today, Stronger You Tomorrow.

mail:info@tvindialive.com
tvindialive.til@gmail.com

Largest social media news network

TV INDIA Live

www.tvindialive.in
www.facebook.com/tvindialive
www.facebook.com/tillucknowexpress

बड़े पर्दे पर फिर साथ दिखेंगे शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण



अभिनेता शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। दोनों आगामी फिल्म शकिंग्स के एक गाने की शूटिंग करने की तैयारी में हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस गाने की शूटिंग 26 अक्टूबर को मुंबई में होगी। इसकी कोरियोग्राफी की जिम्मेदारी वैभवी मर्चेंट को सौंपी जा सकती है। निर्माताओं ने गाने की शूटिंग के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि, गाने के शीर्षक, संगीतकार और इससे जुड़े अन्य कलाकारों के बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस गाने में फिल्म की पूरी कास्ट शामिल हो सकती है। इससे पहले भी शाहरुख और दीपिका के फिल्म के सेट से कुछ वीडियो सामने आए थे, जिनमें दोनों गाने की शूटिंग करते दिखाई दिए थे। हालांकि, आगामी गाने के बारे में

निर्माताओं की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। शाहरुख और दीपिका इससे पहले शोम शांति ओमश, श्वेन्नई एक्सप्रेस और शपठान जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। ऐसे में दोनों की जोड़ी को एक बार फिर पर्दे पर देखने के लिए प्रशंसक उत्साहित हैं।

सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही किंग का निर्माण शाहरुख खान की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म में शाहरुख और दीपिका के अलावा सुहाना खान, अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी, जयदीप अहलावत और अरशद वारसी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। एक्शन थ्रिलर इस फिल्म में शाहरुख एक बार फिर दमदार एक्शन करते दिखाई देंगे। फिल्म 24 दिसंबर, 2026 को क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

महिलाओं के पहनावे पर टिप्पणी और ट्रोलिंग के खिलाफ कृति ने उठाई आवाज

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने महिलाओं के पहनावे को लेकर होने वाली ट्रोलिंग और पितृसत्तात्मक सोच पर सवाल उठाते हुए कहा है कि महिलाओं को अपनी पसंद और अधिकारों के लिए आवाज उठानी चाहिए। अभिनेत्री करीना कपूर खान ने भी कृति के विचारों की सराहना करते हुए इसे हिम्मत का काम बताया है। करीना कपूर खान के शो व्हाट वीमेन वॉन्ट में बातचीत के दौरान कृति ने अपने एक विज्ञापन में पहनी गई चोली को लेकर हुई ट्रोलिंग का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उन्हें हैरानी हुई कि उनके पहनावे को राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बना दिया गया और प्राइम टाइम न्यूज में इस पर चर्चा होने लगी। कृति ने कहा कि आमतौर पर वह ट्रोलिंग पर प्रतिक्रिया नहीं देती हैं, लेकिन इस बार उन्हें लगा कि इस मुद्दे पर बोलना जरूरी है।

यह केवल उनके पहनावे का मामला नहीं, बल्कि महिलाओं के प्रति समाज के नजरिये से जुड़ा बड़ा मुद्दा है। कृति ने कहा कि



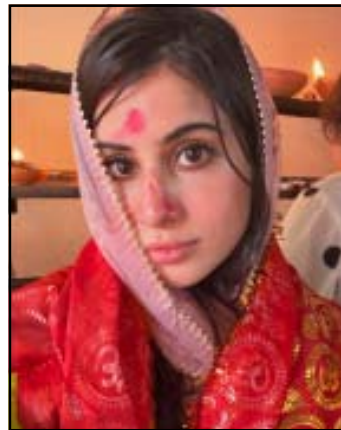
महिलाओं को कभी उनके कपड़ों, कभी वजन और कभी शारीरिक बनावट को लेकर निशाना बनाया जाता है।

उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर महिलाओं को हर छोटी-बड़ी बात के लिए क्यों परखा जाता है और लोगों को उनके निजी फैसलों पर टिप्पणी करने का अधिकार किसने दिया है। करीना ने कृति की बातों से सहमति जताते हुए कहा कि हर महिला को अपनी पसंद के कपड़े

पहनने का अधिकार है। उन्होंने महिलाओं के खिलाफ होने वाली अनावश्यक टिप्पणियों और ट्रोलिंग को गलत बताया। कृति ने कहा कि महिलाओं के लिए अपने हक में आवाज उठाना जरूरी है, क्योंकि इससे समाज में मौजूद लैंगिक असमानता और पितृसत्तात्मक सोच को चुनौती मिलती है। उन्होंने कहा कि इस गहरी जड़ें जमा चुकी सोच को बदलने के लिए बार-बार सवाल उठाने की जरूरत है।

उर्फी के जन्मदिन पर कुछ विशेष बातें

उर्फी जावेद मूल रूप से उत्तर प्रदेश के लखनऊ की रहने वाली हैं। 15 अक्टूबर 1997 में जन्मीं उर्फी अब 29 साल की हैं। मास कम्यूनिकेशन में पढ़ाई भी की है। वो मीडिया में जाना चाहती थीं लेकिन लेकिन उन्हें एक्टिंग का



शौक था। लिहाजा काफी कम उम्र में ही उर्फी मुंबई आ गईं। 2016 में उन्हें बड़े भैया की दुल्हनिया में अरवि पंत नाम का किरदार निभाने का मौका मिला। इसके बाद इसी साल उन्हें चंद्र नंदिनी सीरियल मिला जिसमें वो छाया के किरदार में नजर आईं। इसके अलावा मेरी दुर्गा उनका जाना माना शो है जिससे वो पॉपुलर हुईं। इसके अलावा उर्फी बेपनाह, ये रिश्ता क्या कहलाता है और कसौटी ज़िंदगी की जैसे सीरियल का भी हिस्सा रहीं। 2020 में वो इतनी पॉपुलर हुईं कि 2021 में उन्हें बिग बॉस ओटीटी में आने का न्योता मिला। उर्फी जावेद को इन दिनों उनके धर्म और पहचान को लेकर खूब ट्रोल किया जा रहा है। अब उर्फी ने इस पर अपना रिएक्शन दिया है। उर्फी ने इस पर साफ तौर से कहा कि वो किसी भी धर्म को नहीं मानती

हैं। दरअसल, हाल ही में सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर फैजान अंसारी ने दावा किया कि उर्फी को मुसलमानों ने इस्लाम से बाहर कर दिया है। इतना ही नहीं उनका नाम भी बदलकर गीता भारद्वाज कर दिया है। अब उर्फी ने फैजान के दावों को खारिज कर दिया है और इसे बकवास बताया है। उर्फी ने कहा, मैं खुद बहुत पहले धर्म छोड़ चुकी हूँ। अब ये लोग ये सब बातें क्यों बना रहे हैं अपना नाम गीता भारद्वाज रखने पर रिएक्शन देते हुए उर्फी ने कहा, ये किसने कहा? ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं है।

समीरा रेड्डी गोवा में नये घर का उठा रहीं मजा



समीरा रेड्डी मुंबई से गोवा शिफ्ट हो चुकी हैं। करीब 5 साल पहले एक्ट्रेस अपने परिवार के साथ मुंबई की चकाचौंध भरी दुनिया छोड़कर गोवा शिफ्ट हो गई थीं। समीरा जब मुंबई से गोवा शिफ्ट हुईं, उन्होंने न केवल अपना शहर बदला, बल्कि ज़िंदगी जीने का तरीका भी बदला। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वह अक्सर अपने हरे-भरे इलाके में बसे बंगले और इसके गार्डन की झलक साझा करती रहती हैं। वहीं पिछले दिनों अर्चना पूरन सिंह भी अपने परिवार के साथ समीरा के

गोवा स्थित घर पहुंची थीं, जहां उन्होंने अभिनेत्री के घर का होम टूर भी दिया। होम टूर में समीरा ने अपने घर के साथ-साथ अपने बंगले के चारों ओर फैले हरे-भरे और फलों से लदे बगीचे की झलक भी दिखाई। इसे देखकर अर्चना पूरन सिंह और उनका परिवार बेहद खुश हो गया। समीरा रेड्डी का गोवा वाला घर ऊंचे ताड़ (पाम) और फलों के पेड़ों से घिरा है। खास बात तो ये है कि अभिनेत्री इस बगीचे में उगने वाले फलों और अन्य चीजों का पूरा इस्तेमाल भी करती हैं। समीरा के घर की जो चीज सबसे ज्यादा ध्यान खींचती है, वो है इसके चारों तरफ की हरियाली। एक्ट्रेस का घर ऊंचे, स्थानीय और ट्रॉपिकल पेड़ों से घिरा है, जिनमें बांस, नीम, चीकू, नारियल, काजू और यहां तक की एवाकाडो के पेड़ भी शामिल हैं। समीरा ने अर्चना पूरन सिंह और उनके परिवार से बात करते हुए बताया था कि वह करीब 10 दिन के लिए गोवा आई थीं और

फिर कभी वापस नहीं गईं। उन्होंने मुंबई छोड़कर यहीं बसने का मन बना लिया। अभिनेत्री ने इस घर से जुड़ा अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया कि शुरुआत में उन्हें यहां सेट होने में थोड़ी समस्या गई थी, क्योंकि आस-पास कुछ भी नहीं था और वह हमेशा से सिटी वाले इलाके में रही हैं। उनके घर से दूर-दूर तक कुछ नहीं दिखता था। वह जब गोवा स्थित इस 4 हजार स्क्वायर फीट में फैली प्रॉपर्टी में रहने आईं तो दूसरे ही दिन एक सांप निकल आया था, जिसे देखकर वह काफी डर गई थीं। लेकिन, 6 गिरे-धीरे उन्हें यहां रहना अच्छा लगने लगा। उन्होंने बताया कि कैसे उनके पहले बहुत नखरे होते थे, लेकिन गोवा में रहते हुए उन्होंने झाड़ू-पोंछा से लेकर घर के अन्य काम तक, सब करना सीख लिया। वर्क फ्रंट की बात करें तो समीरा रेड्डी सालों बाद इस साल मई में रिलीज हुई आखिरी सवाल में नजर आई थीं।



प्रधान संपादक
रुचिर सिंह सिसौदिया
स्थानीय संपादक
सुधीर निगम
कार्पोरेट कार्यालय—
सेक्टर-सी0-1, सी0-25,
एल0डी0ए0 कालोनी,
कानपुर रोड, लखनऊ
उ0प्र0-226012
टी.आई.एल. एक्सप्रेस
स्वामी एवं प्रकाशक रुचिर
सिंह सिसौदिया द्वारा न्यू
अनुग्राफिक्स, पार्क रोड
लखनऊ से मुद्रित एवं 279
कटरा बांदा से प्रकाशित
फोन नं0-0522-4010844
Mail us-
tvindialive.til@gmail.com
Log on- tvindialive.in,
tvindialive.com,
www.facebook.com/
tvindialive/
https://www.youtube.com/tvindialivedigi